संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 334
पृष्ठ 8
रविवार
25 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बारिश में मेकअप को बहने...   विचार- देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं...   खेल- शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया...

सीएम योगी ने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेस के गठबंधन पर साधा निशाना, बोले

राष्ट्रीय सुरक्षा और संविधान के प्रति...

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू–कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करने के कांग्रेस पार्टी के फैसले पर सवाल उठाया है, जिसने अपने चुनाव घोषणापत्र में भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत की वकालत की थी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद जम्मू–कश्मीर में तीन चरणों में मतदान होगा, पहला चरण 18 सितंबर से शुरू होगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी गई है। यह चुनाव न केवल जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर भारतीय के लिए महत्वपूर्ण है। कांग्रेस, जो INDI गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, ने अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन बनाया है और एक बार फिर अपनी राष्ट्र विरोधी योजना देश के सामने रखी है।

आदित्यनाथ ने कहा कि दोनों पार्टियों का चुनाव पूर्व गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा और संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर बड़े सवाल खड़े करता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, "हाल ही में, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपना घोषणापत्र जारी किया... कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का यह गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय संविधान के प्रति उनकी वफादारी के बारे में कई बड़े सवाल उठाता है।" उन्होंने नियंत्रण रेखा के पार व्यापार शुरू करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के फैसले पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से सवाल किया, जो इसके घोषणापत्र में वादा की गई 12 गारंटी में से एक है।

पुलिस पर पथराव करने वाले के घर पर चला बुलडोजर, प्रियंका बोलीं

यह अन्याय की पराकाष्ठा, बंद होना चाहिए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को बुलडोजर एक्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसे रुकना चाहिए। उनकी यह प्रतिक्रिया मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर हिंसा करने वाले एक व्यक्ति के घर को ध्वस्त किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा कि अगर कोई किसी अपराध का आरोपी है तो उसका अपराध और उसकी सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है। लेकिन आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, उनके सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना– यह न्याय नहीं है। यह बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है। कांग्रेस महासचिव ने आगे लिखा कि कानून बनाने वाले, कानून के रखवाले और कानून तोड़ने वाले में फर्क होना चाहिए। सरकारें अपराधी की तरह व्यवहार नहीं कर सकतीं। कानून, संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन सभ्य समाज में शासन की न्यूनतम शर्त है।

सार संक्षेप

देश के युवा अरुण जेटली से प्रेरणा लें : संगीता जेटली

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी संगीता जेटली ने कहा कि आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्हें गुजरे हुए 5 साल हो चुके हैं। मुझे पार्टी और जानकारों से यही अपेक्षा है कि इनकी जो अच्छी बातें थी वह युवाओं को बताई जाएं। उन्होंने कहा कि युवा स्वर्गीय अरुण जेटली के मार्गदर्शन पर चलें। वह बड़े आराम से बात करके हल निकालते थे। वह बहुत ध्यान से सामने वाले की बात सुनते थे और समस्या का हल निकालते थे। इसलिए, आज के युवा जो धैर्य जल्दी ही खो देते हैं, उन्हें धैर्य रखने की जरूरत है। वहीं, दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, हम लोगों ने बहुत जल्दी ही अरुण जेटली को खो दिया।

आप ने पंजाब के लिए की २५ प्रवक्ताओं की नियुक्ति

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पंजाब प्रदेश इकाई के प्रवक्ताओं के नामों का ऐलान कर दध्यिा है। पार्टी ने 25 नेताओं को पार्टी का प्रवक्ष्ता बनाया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक 25 नेताओं को पार्टी का वरिष्ठ प्रवक्ता और प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। गुरमीत सिंह मीत हेयर, मलविंदर सिंह कंग, नील गर्ग, पवन कुमार टीनू को वरिष्ठ प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, अमनशेर सिंह शेरी कलसी, जीवनजोत कौर, मनजिंदर सिंह लालपुरा, अमनदीप कौर, दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल, अमृतपाल सुखानंद, दिनेश चड्ढा, अजीत पॉल कोहली, गैरी वारिंग, नरिंदर कौर भारज, हरसुखिंदर सिंह बब्बी बादल, बिक्रमजीत पासी, हरजी मान, शशिवीर शर्मा, सनी अहलूवालिया, गोविंदर मित्तल, एडवोकेट हरसिमरन सिंह भुलत्थ, जगतार संघेरा, स्किब अली राजा, शमिंदर सिंह खिंडा, रणजोध सिंह हरदाना को प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी दी गई है।

असम गैंगरेप, मुख्य आरोपी की डूबने से मौत

– लकस्टडी से भागकर तालाब में कूदा, सुबह साढ़े 3 बजे क्राइम सीन पर लेकर जा रही थी पुलिस।

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नगांव जिले में 14 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मुख्य आरोपी तफ्जुल इस्लाम की शनिवार (24 अगस्त) को डूबने से मौत हो गई। वह पुलिस हिरासत से भागने के दौरान तालाब में कूद गया था।

नगांव के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (SP) स्वप्ननील डेका ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार (23 अगस्त) को गिरफ्तार किया गया था। आज सुबह 3रू30 बजे उसे घटनास्थल पर क्राइम सीन रिक्रिएट करने के लिए लेकर जा रहे थे।

एसपी के मुताबिक, आरोपी ने एक पुलिसकर्मी पर हमला किया और हिरासत से भागकर तालाब में कूद गया। पुलिसकर्मी भी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर SDRF की टीम भी पहुंची। लगभग दो घंटे तलाश के बाद आरोपी का शव तालाब से बरामद किया गया।

गांव वालों का आरोपी के जनाजे का बहिष्कार किया

मृतक आरोपी के गांव बोरभेटी में लोगों ने उसके अंतिम संस्कार में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। लोगों ने गांव के कब्रिस्तान में उसे दफनाने की इजाजत भी नहीं दी।

भारत की आबादी के हिसाब से बनाई जाए नीति, देश की आधी आबादी ओबीसी : राहुल गांधी

कार्यक्रम स्थल पर रही भारी अव्यवस्था

एएमए हाल पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है। यहां पर अंदर जाने वालों के लिए विशेष पास जारी किया गया है। अंदर जाने को लेकर काफी धक्कामुक्की हुई। इसके चलते मेटल डिटेक्टर भी टूट गया। अफरातफरी का माहौल बना रहा। कन्वेंशन सेंटर में क्षमता से अधिक लोगों के घुस जाने के कारण लोग नीचे जमीन पर बैठे देखे गए। अव्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों और आयोजकों से कहासुनी और नोकझोंक होती रही।

प्रयागराज (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह करीब पांच बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा वह भगवतपुर, चकिया, महाराणा प्रताप चौराहा स्थित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। रास्ते में जगह–जगह कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े हैं। एयरपोर्ट से लेकर एएमए कन्वेंशन सेंटर तक उनका जगह–जगह स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट किया। कांग्रेस जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है जो हकीकत है। जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती हैं तो जरूरतमंदों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा और पॉलिसी बनाने का कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी के कार्यक्रम के मद्देनजर स्टेनली रोड महाराणा प्रताप चौराहा स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। अंदर जाने वालों की कई स्तर पर चेकिंग की जा रही है।

कानूनी कार्रवाई संविधान विरोधी : सीएम सिद्धारमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को बताया कि उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को राज्य के सियासी घटनाक्रम और राज्यपाल की ओर से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मंजूरी के बारे में विस्तार से बताया। राज्यपाल के इस कदम को उन्होंने संविधान के खिलाफ और अवैध करार दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में राज्यपाल की ओर से कुछ विधेयकों को सरकार को वापस भेजे जाने के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और कई वरिष्ठ मंत्रियों ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

चुनाव टालने की भाजपा की मांग पर बोले भूपेंद्र हुड्डा

वे हार स्वीकार कर चुके, इसलिए दे रहे तर्क

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई ने विस्तारित अवकाश अवधि के कारण कम मतदान की चिंताओं का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से 1 अक्टूबर, 2024 को होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को स्थगित करने का अनुरोध किया है। इस अनुरोध पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई, जिसने सत्तारूढ़ दल पर सत्ता खोने के डर से चुनाव में देरी करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग ने 16 अगस्त को घोषणा की थी कि हरियाणा विधानसभा चुनाव 1 अक्टूबर को एक ही चरण में आयोजित किए जाएंगे, जिसके नतीजे 4 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। हरियाणा के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनावों की घोषणा हो चुकी है और इसकी घोषणा हुए एक हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है।

प्रज्वल रेवन्ना की बढ़ी मुश्किलें, SIT ने फाइल की 2 हजार पन्नों की चार्जशीट

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पूर्व सांसद (सांसद) प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार और उनके पिता और विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप में आरोप पत्र दायर किया है। एसआईटी, जो प्रज्वल के खिलाफ चार मामलों की जांच कर रही है, ने कहा कि 2,000 पन्नों से अधिक की चार्जशीट में लगभग 150 गवाहों के बयान शामिल हैं। जन प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत में प्रस्तुत आरोप पत्र, परिवार की घरेलू नौकरानी पर कथित यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों में से एक से संबंधित है। यौन उत्पीड़न मामले में जद (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ आरोपपत्र 2,144 पन्नों का है। इसके अलावा, एसआईटी ने कहा कि आरोप पत्र दाखिल करने से पहले विशेषज्ञ की राय ली गई थी। जबकि विधायक रेवन्ना, जो पूर्व प्रधान मंत्री और जद (एस) सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा के बेटे हैं, पर आईपीसी की धारा 354 और 354 (ए) के तहत आरोप लगाया गया है, उनके 33 वर्षीय बेटे प्रज्वल पर आईपीसी की धारा 376, 376 (2) (के), 354, 354 (ए) और 354 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रयागराज में पुलिस भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन

63 केंद्रों पर एग्जाम खत्म, बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन तक अभ्यर्थियों की भीड़

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा का आज शनिवार को दूसरा दिन है। प्रयागराज के 63 परीक्षा केंद्रों पर शुक्रवार सुबह 10 बजे परीक्षा शुरू हुई जो 12 बजे तक चली। दूसरी शिफ्ट में एग्जाम दोपहर 3 से 5 बजे तक होंगे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह परीक्षा हो रही है। शहर के सभी सेंटरों पर 10 से ज्यादा पुलिस कर्मी लगाए गए हैं। प्रत्येक पाली की परीक्षा में 22,877 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड हैं।

दरअसल, इस परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी अधिकांशतः दूसरे जनपदों से आए हुए हैं। एक दिन पहले ही यह प्रयागराज आ पहुंचे हैं जिसके चलते बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशनों तक अभ्यर्थियों का हुजूम दिखा रहा है।

यह परीक्षा 23, 24 और 25 अगस्त को होगी। इसके बाद 4 दिन के गैप के बाद 30 व 31 अगस्त को फिर 2 दिन यह परीक्षा कराई जाएगी। यानी पूरे पांच कार्यदिवस में यह परीक्षा संपन्न हो जाएगी। पेपर को कड़ी सुरक्षा के बीच डबल लॉक में रखा गया है। इस परीक्षा को लेकर बुधवार को ग्राउंड रिहर्सल भी किया गया ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने पाए।

पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों का बस किराया फ्री किया गया है। यही कारण है, रोडवेज की बसों में अभ्यर्थियों की सबसे ज्यादा भीड़ दिख रही है। दरअसल, प्रयागराज के परीक्षार्थियों का सेंटर दूसरे जनपद मे है। ऐसे में परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी तरह की असुविधा न होने पाए इसके लिए बसों की संख्या भी बढ़ाई गई है।

फ्री रोडवेज बस सेवा के लिए कैंडिडेट्स को यात्रा के दौरान कंडक्टर को एडमिट कार्ड की एक फोटोकॉपी देनी होगी। बिना फोटोकॉपी दिए वे फ्री यात्रा नहीं कर सकेंगे। एडमिट कार्ड की ये कॉपी आते–जाते समय दोनों तरफ कंडक्टर को देना होगा। इसलिए फ्री यात्रा के लिए एडमिट कार्ड की दो एक्सट्रा प्रिंट आउट साथ रखें।

परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए टीमें लगाई गई हैं। गहन तलाशी के बाद ही केंद्रों पर एंट्री दी जा रही है। अध्ययन सामग्री (कोई छपा या लिखित), कागज के टुकड़े, किसी भी तरह की घड़ी, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ज्वैलरी, पर्स, ज्यामितीय, पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, किसी भी तरह का कैलकुलेटर, क्रेडिट कार्ड, स्केल, कॉपी, पेन ड्राइव, इरेजर, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर, डिजिटल पेन, चाबी, कैमरा, ब्लूटूथ, इयरफोन, पेजर, हेल्थ बैंड, काला चश्मा, हैंडबैग, टोपी, खाने का सामान, सिगरेट, लाइटर, माचिस, गुटखा। पावर वाले चश्मे और धार्मिक पहचान चिह्न जैसे मंगल सूत्र बैन नहीं होंगे।

यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती में पद

जनरल	24102
EWS	6024
OBC	16264
SC	12650
ST	1204

यूपी पुलिस भर्ती में लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम

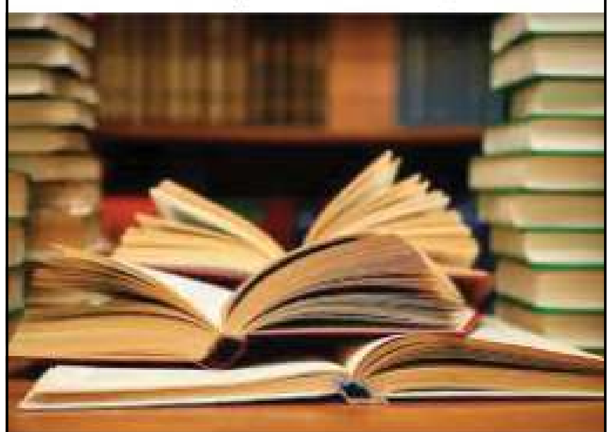

सामान्य ज्ञान
भारत का इतिहास, संविधान, अर्थव्यवस्था, संस्कृति, पर्यावरण, नगरीकरण, विमुद्रीकरण और उसका प्रभाव, साइबर क्राइम, प्रसिद्ध पुस्तक, पुस्तकों के लेखक।

संख्यात्मक एवं मानसिकता योग्यता
संख्या पद्धति, समापवर्तक और लघुतम समापवर्तक, लाभ-हानि, चक्रवृद्धि ब्याज, एवरेज, मैंसुरेशन, समय और कार्य, साधारण ब्याज।

सामान्य हिन्दी
व्याकरण, अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना। लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम, समास, विराम-चिन्ह, मुहावरे, अपठित बोध, प्रसिद्ध कवि-लेखक और उनकी रचनाएं।

मानसिक योग्यता
तार्किक आरेख, संकेत संबंध, विश्लेषण, वर्ड फॉर्मेशन, लेटर और नंबर सीरीज, वर्ड और अल्फाबेट एनालॉजी, कॉमन सेंस टेस्ट, लॉजिकल इंटरप्रेटेशन डेटा।

कुल सवाल	150
कुल नंबर	300
गलत सवाल पर काटे जाएंगे	.5 नंबर

7 दिनों से खराब पड़ी है बेली की एमआरआई मशीन

मरीजों की लंबी वेटिंग, दूर से आने वाले लोगों को परेशानी

प्रयागराज। प्रयागराज के तेज बहादुर सप्रू (बेली) हास्पिटल की एमआरआई मशीन पिछले 7 दिनों से खराब पड़ी है। यही कारण है कि दूर–दराज से आने वाले मरीजों की डत्प नहीं हो पा रही है। हड्ड्डी और न्यूरो संबंधित मरीजों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

डॉक्टर एमआरआई तो लिख रहे हैं लेकिन जब मरीज एमआरआई कक्ष में पहुंचते हैं तो बताया जाता है कि यहां तो मशीन ही खराब है। यह मशीन कब तक ठीक हो पाएगी यह भी नहीं पता है। एमआरआई कराने वाले मरीजों की यहां लंबी वेटिंग चल रही है।

दिल्ली से आएगा पार्ट्स

दरअसल, एमआरआई मशीन खराब होने की जानकारी अस्पताल प्रशासन की ओर से संबंधित एजेंसी को दे दी गई है। लेकिन जो पार्ट्स खराब है वह बाहर कहीं से आनी है। अस्पताल की सीएमएस डॉ. भावना शर्मा का कहना है कि मशीन में खराबी हुई है जिससे मरीजों को कुछ असुविधा हो रही है। 26 अगस्त तक पार्टस आने की संभावना है।

लड़की से छेड़छाड़ और अगवा की कोशिश समाज के खिलाफ

अलीगढ़ के केस में हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार किया, कहा– ये गुड गवर्नेस के खिलाफ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अलीगढ़ के क्वार्सी थाना क्षेत्र में सुबह नौ बजे अपने घर आ रही लड़की को बाइक सवार दो लड़कों द्वारा फब्ती कसने व पकड़कर बाइक पर बैठाने की कोशिश करने की घटना भयमुक्त समाज व गुड गवर्नेंस के सिद्धांत के विरूद्ध है।

कोर्ट ने कहा उसकी चीख सुनकर उसके भाई व अन्य लोग बचाने न पहुंच गए होते तो ऐसी दूसरी घटना हो सकती थी, जो मानवता व समाज के लिए शर्मनाक होती। कोर्ट ने आरोपी याची के कृत्य की गंभीरता और उपलब्ध सबूतों को देखते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने सफी उर्फ साबी की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया है।

मालूम हो की पीड़िता 19 जुलाई 24 को सुबह नौ बजे घर आ रही थी। उसी समय दो लड़के साबी व ताबिश मोटरसाइकिल पर आए और फब्ती कसी। याची ने दूसरे से कहा उठाकर बैठा ले। उसने पकड़कर बैठाने की कोशिश की। उसे लेने आ रहा भाई मौके पर आ गया और कुछ अन्य लोगों ने शोर सुनकर पीड़िता को बचाया और ताबिश को मौके पर पकड़ लिया। किन्तु याची मोटरसाइकिल लेकर भाग गया। सह अभियुक्त ने याची का नाम बताया और 20 जुलाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर याची को जेल भेज दिया।

पीड़िता ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 180, व 183 में बयान दर्ज कराया और घटना का तफसील से ब्योरा दिया है। जिसमें याची को पूरी तरह से शामिल पाया गया है। पीड़िता ने कहा है कि अभियुक्त के गले व हाथ में टैटू है। वह पहचान सकती है। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए याची को जमानत देने से इंकार कर दिया।

नोएडा– ग्रेटर नोएडा के किसानों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

कहा– यमुना और हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्र में किसानों की जमीन बिक्री पर डीएम की पाबंदी गलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के किसानों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने यमुना नदी, हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्रों के किसानों की जमीन बिक्री पर डीएम द्वारा लगाई गई पाबंदी को गलत करार दिया है। हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि संपत्ति की खरीद फरोख्त का अधिकार मूल अधिकार नहीं है। किन्तु यह अनुच्छेद 300 ए के अंतर्गत एक संवैधानिक अधिकार है। इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि जिलाधिकारी को किसानों को अपनी कृषि भूमि बेचने व खरीदने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने के लिए आदेश देने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने अपने फैसले में आदेश 30 सितंबर 20, कार्यालय ज्ञाप 1 अक्टूबर 20 व शासनादेश 8 जुलाई 2024 को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया।

यह आदेश न्यायमूर्ति एम सी त्रिपाठी तथा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने गौतमबुद्धनगर के किसान सुरेश चंद व अन्य सहित 11 याचिकाओ की एकसाथ सुनवाई करते हुए दिया।

कोर्ट ने कहा– डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट जिलाधिकारी को ऐसी शक्ति नहीं देता कि बाढ़ क्षेत्र में बिल्डर के निर्माण पर आपत्ति नहीं हो और किसान को कृषि भूमि बेचने के लिए विभाग से अनापत्ति लेने को कहा जाए।

जमीन बेचने पर रोक लगाने का अधिकार क्ड को नहीं

कोर्ट ने कहा– संपत्ति के अधिकार में भवन निर्माण का अधिकार शामिल हैं।यह मानवाधिकार व विकास का अधिकार हैं। साथ ही संपत्ति का अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का भी अधिकार है। कानून जिलाधिकारी को कृषि जमीन बेचने पर रोक लगाने या शर्त थोपने का अधिकार नहीं देता। इसलिए हिंडन व यमुना नदी के बाढ़ एरिया में किसानों को कृषि भूमि खरीदने व बेचने पर अवरोध लगाना विभेदकारी व मनमाना है।

सरकार की तरफ से यह तर्क कि रोक नहीं केवल अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने को कहा गया है, उसको सही नहीं माना और कहा कि किसी कानून में जिलाधिकारी को ऐसा अधिकार नहीं मिला है। कोर्ट ने कहा– बिना अधिकारियों की मिलीभगत के कोई अवैध निर्माण नहीं हो सकता। प्राधिकरण ने बाढ़ क्षेत्र में अवैधध निर्माण होने देने वाले अधिकारियों पर कभी कोई कार्रवाई नहीं की और किसानों के अपनी कृषि भूमि बेचने खरीदने से रोक रहे हैं।

कोर्ट ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा यह समझ से परे है कि अधिकारियों के रहते अवैधध निर्माण कैसे हो रहा है। किसानों को अनापत्ति लेने के लिए कहा जा रहा। यह सिस्टम के साथ मजाक है। अधिकारी अपनी गलती ढंकने के लिए शर्तें नहीं थोप सकते। भविष्य में मानव जीवन बचाने के लिए युक्तियुक्त प्रतिबंधा लगाया जा सकता है। चेक करें कि अवैध निर्माण न होने पाये।

मालूम हो कि विकास प्राधिकरण ने निर्णय लिया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हिंडन और यमुना नदी बाढ़ क्षेत्र में जमीन की खरीद फरोख्त के लिए अनापत्ति लेनी होगी। याचियों ने बिना अनुमति के लिए कृषि भूमि बेची। जिस पर कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कहा गया कि हम जमीन के स्वामी और कब्जेदार है। उन्हें अपनी जरूरत के लिए अपनी मर्जी से जमीन बेचने का अधिकार है।

7 सिपाहियों ने इंस्पेक्टर को भगाया, 5 सस्पेंड

बरेली में थाने की दीवार फांदकर भागा रामसेवक अंडरग्राउंड, प्रयागराज में कर सकता है सरेंडर

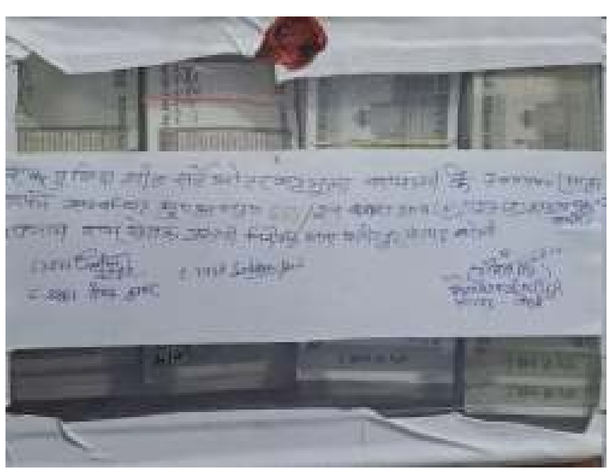

प्रयागराज। बरेली के फरीदपुर थाने की दीवार फांदकर भागे इंस्पेक्टर रामसेवक की लास्ट लोकेशन बदायूं मिली है। पुलिस इनपुट के मुताबिक– रामसेवक प्रयागराज में अंडरग्राउंड है। उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। बरेली पुलिस इंस्पेक्टर का इतिहास खंगाल रही है।

रामसेवक पर उसी थाने में थ्प् दर्ज की गई है, जहां दो दिन पहले तक उसके निर्देश चलते थे। पुलिस अधिकारियों की मानें तो अब उसकी संपत्ति की जांच भी शुरू होगी। आय से अधिक संपत्ति मिलती है, तो थ्प् में धाराएं भी बढ़ाई जाएंगी।

पूरा मामला लखनऊ में उच्च अधिकारियों तक पहुंच गया है। विवेचना दूसरे सर्किल के सीओ को दी गई है। बताया गया– एसपी दक्षिण और सीओ का थाने में छापा पड़ते ही इंस्पेक्टर, फरीदपुर से बदायूं के रास्ते भाग निकला। बदायूं तक उसका नंबर ऑन था, लेकिन फिर फोन स्विच ऑफ हो गया। यही वजह है कि इंस्पेक्टर को ट्रेस नहीं किया जा सका।

10 महीने में कमाए एक करोड़ से अधिक कमाए

पुलिस जांच में सामने आया–पिछले 10 महीने में रामसेवक इंस्पेक्टर फरीदपुर में प्रभारी इंस्पेक्टर था। रामसेवक ने थाने में सभी चौकी इंचार्ज और दरोगाओं को साइड लाइन कर दिया। अपनी सुरक्षा में तैनात हमराम समेत पांच सिपाहियों को अपना खास बना लिया। फरीदपुर बरेली देहात में कस्बे का महत्वपूर्ण थाना है। रामसेवक की वसूली का खेल रात में 11 बजे से 3 बजे तक चलता था।

करीब 15 जगह दबिश दी गई

इंस्पेक्टर रामसेवक हरदोई का रहने वाला है। उसकी तलाश में पुलिस टीम ने करीब 15 जगहों पर छापेमारी की है। पुलिस सूत्रों की मानें तो वह प्रयागराज पहुंचा है। यहां कोर्ट में सरेंडर कर सकता है और गिरफ्तारी के लिए स्टे ले सकता है। लेकिन, जो धारा लगाई गई हैं। मौके से जो एविडेंस कलेक्ट किए गए हैं, उससे वह बच नहीं सकता।

7 करीबी पुलिस वालों पर लिया गया एक्शन

सीओ फरीदपुर गौरव सिंह की रिपोर्ट पर एसएसपी अनुराग आर्य ने शुक्रवार रात समेत 5 को निलंबित कर दिया। दरोगा समेत दो को लाइन हाजिर कर दिया। गुरुवार को फरीदपुर थाने में एसपी दक्षिण मानुष पारीक और सीओ गौरव सिंह ने छापा मारा था। जहां इंस्पेक्टर रामसेवक थाने की दीवार फांदकर फरार हो गया था। इसके बाद थाना परिसर में इंस्पेक्टर के कमरे से 9 लाख 96 हजार रुपए कैश मिला था।

इंस्पेक्टर के करीबी सिपाही कर रहे थे वसूली

एसएसपी ने हेड कॉन्स्टेबल रिजवान, हेड कांस्टेबल नीरज, हेड कॉन्स्टेबल अहसान, सिपाही सौरभ कुमार व सिपाही कृष्णा कुमार को निलंबित कर दिया। वहीं दरोगा जावेद अली और सिपाही अतुल वर्मा को लाइन हाजिर किया गया है।

31 अक्टूबर 2023 को रामसेवक को पुलिस लाइन से इंस्पेक्टर फरीदपुर बनाया गया। वह पीलीभीत में इससे पहले तैनात रहे। पिछले साल दूसरे जिले से बरेली में ट्रांसफर होकर आए। जहां 31 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने पुलिस लाइन में तैनात रामसेवक को फरीदपुर थाने का चार्ज दिया।

ड्रग्स के लिए बदनाम है फरीदपुर थाना

फरीदपुर थाने में ड्रग्स का काम होता है। इंस्पेक्टर की टीम के तस्करों को उठाकर ले लाते थे। इसके बाद इनसे फिर वसूली का खेल शुरु होता। इंस्पेक्टर की राजनीतिक पहुंच भी बताई जा रही है। पीलीभीत का भाजपा नेता का बेटा भी इंस्पेक्टर को रिश्तेदार बताया जा रहा है। रामसेवक खुद को एक विधायक का रिश्तेदार बताता था। वह सिपाहियों और दरोगाओं से कहता था– मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता।

यह है पूरा मामला

एसएसपी अनुराग आर्य को गुरुवार दोपहर को मुखिबर से सूचना मिली की पुलिस ने स्मैक तस्कर पकड़े हैं, मोटी रकम लेकर उन्हें छोड़ दिया। जिसके बाद एसएसपी ने एसपी दक्षिण मानुष पारीक व सीओ गौरव तत्काल मौके पर भेजा। यह सूचना थाने के ही पुलिसकर्मी ने ने उच्च अधिकारियों को दी। सूचना सटीक दी गई कि इंस्पेक्टर ने दो आरोपियों को छोड़ दिया, पैसे का लेनदेन इंस्पेक्टर के आवास पर हुआ है।

एक आरोपी हवालात में बंद है, उसने पैसे नहीं दिए। जिसके बाद हवालात में बंद युवक से जब एसपी दक्षिण मानुष पारीक और सीओ ने पूछताछ की तो उसने पूरी कहानी बता दी। एक दिन में दो आरोपियों को छोड़ने पर 7 लाख वसूले गए, तो समझ जाइए थाने में महीने की वसूली कितनी हो रही थी।

इलाहाबाद हाईकार्ट ने वित्त नियंत्रक चीएचएफ से मांगी सफाई

कहा– रिटायरमेंट के बाद अधिक वेतन भुगतान की वसूली, क्यों न उनके वेतन से भारी हर्जाना वसूला जाए

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वित्त नियंत्रक पुलिस मुख्यालय लखनऊ से हलफनामा दाखिल कर 29 अगस्त तक उनको कारण बताने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा– क्यों न सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह केस के फैसले के विपरीत विभागीय गलती से हुए अधिक वेतन भुगतान की वसूली करने पर उनके वेतन से भारी हर्जाना वसूल किया जाए। यह आदेश कोर्ट ने सहायक पुलिस कमिश्नर आगरा के यह बताने पर दिया है कि उसने अधिक वेतन भुगतान की वसूली का आदेश वित्त नियंत्रक के आदेश पर जारी किया है। जिस पर कोर्ट ने वित्त नियंत्रक से सफाई मांगी है। याचिका की सुनवाई 29 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने पुलिस उप निरीक्षक जयवीर सिंह की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन व अवकाश नकदीकरण से विभागीय गलती से हुए गलत वेतन निर्धारण कर अधिक भुगतान की वसूली सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ है।

बच्चों का यौन शोषण किया, समझौते पर राहत क्यों

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा–आरोपी बार–बार यौन शोषण करता रहाय केस कैसे रद्द होगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि बच्चों का यौन शोषण गंभीर अपराध है। ऐसे में समझौते के आधार पर आरोपी को राहत कैसे दी जा सकती है। जबकि इस केस में बार–बार यौन शोषण जैसा गंभीर मामला है। हाईकोर्ट ने लगातार यौन शोषण करने वाले आरोपी को परिवार के बीच आपसी समझौते के आधार पर यौन अपराधो से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) के तहत दर्ज एक मामले को रद्द करने से इंकार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा आरोपी लगातार यौन शोषण करने वाला व्यक्ति है। यद्यपि उसे हाईकोर्ट की एक अलग पीठ ने इससे पहले पाक्सो के दो अन्य मामलों में समझौता स्वीकार कर लिया था और एक ही आरोपी के खिलाफ दो पाक्सो मामलों को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने टिप्पणी की कि आरोपी व्यक्ति लगातार यौन–संबंध बनाता था, क्योंकि वह दो समान मामलों में संलिप्त पाया गया था। याची के खिलाफ मुकदमा थाना – कोतवाली, जिला जालौन में दर्ज है। अदालत ने कहा , ‘आवेदक लगातार यौन शोषण करता रहा है और दो अन्य अलग–अलग मामलों में भी संलिप्त पाया गया है। इसलिए सजा की गम्भीरता व साधन सम्पन्न व्यक्ति द्वारा बच्चों का शोषण के धमकी को ध्यान में रखते हुए इस अदालत को आवेदक के मामले में कोई दम नहीं लगता, भले ही समान प्रकृति के दो अलग–अलग मामलों को अन्य पीठ ने समझौते की आधार पर रद्द कर दिया हो।

बनारस : ठाट–बाट और घाट

वाराणसी से राजेश ओझा 'धर्मशील'

बनारस अपने घाटों के कारण विश्व विख्यात तो है ही, लेकिन बनारसियों की ठाट–बाट और ठसक इस शहर को तीनों लोकों से न्यारी बनाती है। वर्ष 2001 में जब बनारस पढ़ने आया तो जिस जगह से सबसे पहले परिचय हुआ, वो थी – श्पीएमसीश्। इस संक्षिप्ताक्षर वाली जगह के बारे में जानने की तीव्र जिज्ञासा पैदा हुई। मुझे लगा कि शायद डीएलडब्ल्यू – डीजल लोकोमोटिव्स वर्क्स की तरह ही इस जगह का भी कोई भारी–भरकम अंग्रेजी नाम होगा। लेकिन रैगिंग में सीनियरों ने मेरी धारणा को गलत साबित करते हुए मेरा ज्ञानवर्धन किया और बताया कि इसका फुल फॉर्म – श्पिया मिलन चौराहाश् होता है, बचवा। खैर, और जिस दूसरी सबसे फेवरिट (उस उम्र एवं वय के अनुसार) जगह के बारे में जाना, वो था – अस्सी घाट। बनारस का एक रमणीय घाट। तब मैंने अनुमान लगाया कि इससे पहले बनारस के उन्नासी घाट बन चुके होंगे तभी तो इसका नाम अस्सी घाट रखा गया है। और मन में बिठा लिया कि बनारस में कुल अस्सी (80) घाट हैं। लेकिन आज वाराणसी नगर निगम की वेबसाइट से पता चला कि बनारस में अभी कुल अट्ठासी (88) घाट हैं।

गोमुख से गंगासागर तक गंगा की यात्रा में केवल बनारस ही ऐसी जगह है जहाँ गंगा उत्तरवाहिनी हैं। यहाँ इनका आकार अर्द्ध चंद्र जैसा है। आकाश से देखने पर ऐसा लगता है मानो काशी विश्वनाथ के मस्तक पर गंगा चंद्र रूप में शोभायमान हों और यहाँ के घाट मुकुट रूप में सुशोभित। यूँ तो काशी में लगभग अस्सी घाट से लेकर आदिकेशव घाट तक अट्ठासी घाटों को स्पर्श करती हुई बहने वाली गंगा की जलध ाारा एक ही है लेकिन गंगा की लहरें बनारस के घाटों के साथ कल्लोल करती हुईं हर एक घाट को एक विशिष्ट पहचान देती हैं।

ठाट–बाट हर घाट–घाट में, घोटम–घोट छना रस है।
कहो उसको कौन बनायेगा, जो खुद से खुद बना रस है।।
(पाण्डेय चिदानंद श्चिद्रुपश)

गंगा की लहरों की तरह इसके घाट भी अनुपम हैं। बनारस में गंगा किनारे बने अट्ठासी प्रमुख घाटों में हर एक की अलग कहानी और पहचान है। हर घाट ऐतिहासिक है और अपने आप में मानो एक पूरा युग समाहित किए होता है। यहां संस्कृतियों के बीच बहस और विवाद नहीं बल्कि अपनी अपनी अलग पहचान के साथ जीने और परंपराओं के निर्वहन की कड़ियां आज भी पुरा काल से जीवंत हैं। घाटों का महत्व व महात्म्य काशी के वैभव से जुड़ा हुआ है। सीढ़ी, सांड़ और संन्यासी की परंपरा में काशी का गंगा तट अनुपम और अविस्मरणीय सा प्रतीत होता है। यहां पर घाटों की बनावट और बसावट के साथ चुनार के पिंक पत्थरों से बने घाटों की सुंदरता देखते बनती है।

भारतीय समाज में ज्येष्ठ ही श्रेष्ठ पद का अधिकारी होता है। ज्येष्ठ का अर्थ कि उम्र में बड़ा। इस धरती पर काशी से अधिक पुरानी कोई नगरी नहीं है। इस सृष्टि के सृजन के पहले से महादेव इस काशी पुरी को अपने त्रिशूल पर लिये घुमते थे और जब सृष्टि की उत्पत्ति हुई तो इसे रख दिया। तो उम्र के लिहाज से भी काशी सबसे बड़ी हुई न? लोगों के मन में यह सवाल उठ सकता है कि यह कैसा तर्क है? ऐसे कैसे मान लें? खाता न बही, हम कहें वही सही। यह नहीं चलेगा। कोई बात नहीं। आप मेरा बात न मानिए। दूसरे की बात मानेंगे न? और वह दूसरा किसी अन्य देश का हो तो उसकी बात तो सरलता से मान लेंगे। तो यह भी देख लें कि अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप की 2 महीनों की यात्राओं से Following the Equator (1897) किताब लिखी, बनारस के बारे में लिखते हैं 'Benares is older than history] older than tradition] older even than legend] and looks twice as old as all of them put togetherश्, अर्थात्– बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपराओँ से भी प्राचीन है। किवदंतियों से भी पुरातन है और अगर हम इन सबको जोड़ दें तो उनसे भी दोगुना प्राचीन है।

तो बनारस ज्येष्ठ भी है और श्रेष्ठ भी। अब श्रेष्ठता की अपनी एक खास ठसक और ठाट–बाट होती है, जो बनारस और बनारसियों में दिखता है। बनारसियों के ठाट–बाट का केवल यही एक कारण नहीं है। यह विश्वेश्वर महादेव की नगरी है और महादेव से इनका आपसी गुरू–चेला जैसा रिश्ता है। भगवान शिव से ये बोलते–बतियाते हैं। विश्वास न हो तो कभी शयन आरती में बनारसियों का यह रूप देखा जा सकता है। अब जो उम्र में भी बड़ा है और जिसका विश्वेश्वर (विश्व के ईश्वर) के साथ इतना निकट संबंध भी है, ठाट–बाट उसकी नहीं होगी तो किसकी होगी?

खाक भी जिस जमी की पारस है,
शहर मशहूर यह बनारस है।

(डी 59/365 केएसडी, जय प्रकाश नगर, सिगरा, वाराणसी, मो. – 8527536548)

सीएमपी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। संस्कृत विभाग, सीएमपी महाविद्यालय में चल रहे संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आज भाषण प्रतियोगिता का

आयोजन हुआ जिसका विषय था संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्। प्रतियोगिता में नैतिक पांडे ने प्रथम स्थान, सौरव तिवारी ने द्वितीय तथा शुभांशु पांडे एवं प्रवीण तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का निर्णय सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शेषनारायण शुक्ल तथा प्राध्यापक डॉक्टर अवध नारायण द्विवेदी एवं ईश्वर शरण महाविद्यालय की डॉक्टर अश्विनी देवी ने किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉक्टर भानु प्रकाश त्रिपाठी तथा अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र पाल सिंह ने किया। संस्कृत सप्ताह का समापन कार्यक्रम मंगलवार को समायोजित होगा।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की अगस्त माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सुषमा सिंह उर्मी रहीं।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 4:00 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सुषमा सिंह उर्मि, पूनम पाण्डे, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें ।अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

बीजेपी विधायक के विवादित बयान पर मायावती ने जताई नाराजगी, पार्टी से की सख्त कार्रवाई की मांग

लखनऊ,(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी विधायक द्वारा उनके खिलाफ दिए गए विवादित बयान पर सख्त नाराजगी जताई है। मायावती ने बीजेपी से मांग की है की वो अपने विधायक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे अन्यथा आगामी चुनाव और उपचुनाव में इसका जवाब देंगे। इसी बयान पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सख्त ऐतराज जताया था और बीजेपी विधायक पर कार्रवाई की मांग और मायावती को ईमानदार कहा था। मायावती ने इसके लिए अखिलेश यादव का आभार भी जताया है। दरअसल, मथुरा जिला स्थित मांट क्षेत्र के बीजेपी विधायक राजेश चौधरी जो पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता हैं, उन्होंने भारत समाचार पर ब्रजेश मिश्रा की डिबेट में ये बयान दिया था की मायावती को मुख्यमंत्री बनाना बीजेपी की गलती थी और वो यूपी के इतिहास की सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री रही हैं। इस बयान पर अखिलेश यादव ने नाराजगी जताते हु कहा, ''उत्तर प्रदेश के एक भाजपा विधायक द्वारा राज्य की एक पूर्व महिला मुख्यमंत्री जी (मायावती) के प्रति कहे गए अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपा नेताओं के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित–शोषित समाज से संबंध रखने वालों के प्रति कितनी कटुता भरी है।

अपने पिता का भरे मंच पर अपमान करने वाले संस्कार की बात करते हैं, बीजेपी विधायक का अखिलेश पर तंज

लखनऊ,(एजेंसी)। मायावती के खिलाफ विवादित बयान देने वाले भारतीय जनता पार्टी से विधायक राजेश चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने एक लंबा चौड़ा ट्वीट कहा कि लड़के है लड़कों से गलती हो जाती है..समाजवादी पार्टी को आपने सीरियल बलात्कारी पार्टी बना दिया है..अयोध्या और कन्नौज में पिछड़े और दलित नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार होता है, आप अल्पसंख्यक वोट के लिए हिन्दू दलित बेटी की इज्जत दांव पर लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि औरंगजेब के अनुयायी अखिलेश यादव जी आप भ्रष्टाचार के तो सारे रिकॉर्ड तो तोड़ ही चुके हैं.. 2 जून 1995 का गेस्ट हाउस कांड याद है ना...समाजवादी गुंडों ने मायावती जी की अस्मिता को तार तार करने की कोशिश की ... कौन सी ऐसी गाली थी जो मायावती जी को आपके गुंडों द्वारा नहीं दी गई थी? मायावती जी की जान और आबरू बचाने वाली भाजपा पार्टी ही थी..नहीं तो सपाई गुंडे एक दलित महिला नेता की हत्या कर देते. ..पद के लिए अपने पिता का भरे मंच पर अपमान करने वाले संस्कार की बात करते हैं .. आप घोर जातिवादी और भ्रष्टाचारी हैं। दरअसल, भाजपा विधायक ने एक निजी चौनल के डीवेड में मायावती को लेकर विवादित बयान दे दिया। जिसे बाद से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मायावती का समर्थन करते हुए भजा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विध ाायक की ''आपत्तिजनक टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि सार्वजनिक रूप से दिये गये इस वक्तव्य के लिए विध ाायक पर मानहानि का मुकदमा होना चाहिए। यादव ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार चौनल पर ''विमर्श की 30 सेकंड की एक वीडियो क्लिप साझा की और लिखा, ''उत्तर प्रदेश के एक भाजपा विधायक द्वारा राज्य की एक पूर्व महिला मुख्यमंत्री जी (मायावती) के प्रति कहे गये अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपा नेताओं के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित–शोषित समाज से संबंध रखने वालों के प्रति कितनी कटुता भरी है। यादव ने इसी पोस्ट में लिखा, ''राजनीतिक मतभेद अपनी जगह होते हैं, लेकिन एक महिला के रूप में उनका मान–सम्मान खंडित करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा ''भाजपा नेता कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हमने गलती की थी, यह भी लोकतांत्रिक देश में जनमत का अपमान है और बिना किसी आधार के ये आरोप लगाना भी बेहद आपत्तिजनक है कि वह सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थीं। सपा प्रमुख ने मांग की कि सार्वजनिक रूप से दिये गये इस वक्तव्य के लिए भाजपा के विध ाायक के खिलाफ मानहानि का मुकदमा होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''भाजपा ऐसे विधायकों को प्रश्रय देकर महिलाओं के मान–सम्मान को गहरी ठेस पहुंचा रही है। अगर ऐसे लोगों के खिलाफ भाजपा तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो मान लेना चाहिए कि ये किसी एक विधायक का व्यक्तिगत विचार नहीं है बल्कि पूरी भाजपा का विचार है। घोर निंदनीय!

भाजपा विधायक के मायावती पर विवादित बयान पर गुस्साए अखिलेश

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम और बीएसपी चीफ मायावती पर बीजेपी विधायक राजेश चौधरी की विवादित टिप्पणी सामने आई है। बीजेपी विधायक ने एक निजी चौनल के लाइव शो के दौरान उनके खिलाफ यह विवादित टिप्पणी की है। टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आई है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, उप्र के एक भाजपा विधायक द्वारा उप्र की एक भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री के प्रति कहे गये अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपाइयों के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित–शोषित समाज से आनेवालों के प्रति कितनी कटुता भरी है। सपा प्रमुख ने कहा, राजनीति में मतभेद होते हैं लेकिन एक महिला के रूप में उनका मान–सम्मान खंडित करने का किसी को अधिकार नहीं। भाजपाई कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हमने गलती की थी, ये भी लोकतांत्रिक देश में जनमत का अपमान है और बिना किसी आधार के ये आरोप लगाना कि वो सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थीं, बेहद आपत्तिजनक है ।उन्होंने कहा, भाजपा के विधायक के ऊपर, सार्वजनिक रुप से दिये गये वक्तव्य के लिए मानहानि का मुकदमा होना चाहिए। भाजपा ऐसे विधायकों को प्रश्रय देकर महिलाओं के मान–सम्मान को गहरी ठेस पहुँचा रही है।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के समय एवं ठहराव में संशोधन के साथ अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया है। निम्न विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना एवं दिन पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व में सूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
03245	दानापुर-बेंगलुरु	बुधवार	21.08.2024	28.08.2024 से 04.09.2024 तक
03246	बेंगलुरु-दानापुर	शुक्रवार	23.08.2024	30.08.2024 से 06.09.2024 तक
03251	दानापुर-बेंगलुरु	रविवार, सोमवार	19.08.2024	25.08.2024 से 02.09.2024 तक
03252	बेंगलुरु-दानापुर	मंगलवार, बुधवार	21.08.2024	27.08.2024 से 04.09.2024 तक
03259	दानापुर-बेंगलुरु	मंगलवार	20.08.2024	27.08.2024 से 03.09.2024 तक
03260	बेंगलुरु-दानापुर	गुरूवार	22.08.2024	29.08.2024 से 05.09.2024 तक
03247	दानापुर-बेंगलुरु	गुरूवार	22.08.2024	29.08.2024 से 05.09.2024 तक
03248	बेंगलुरु-दानापुर	शनिवार	24.08.2024	31.08.2024 से 07.09.2024 तक
03241	दानापुर-बेंगलुरु	शुक्रवार	23.08.2024	30.08.2024 से 06.09.2024 तक
03242	बेंगलुरु-दानापुर	रविवार	25.08.2024	01.09.2024 से 08.09.2024 तक

संशोधित समय एवं ठहराव

गाड़ी सं. 03245/03251/03259/03247/03241 दानापुर-बेंगलुरु		स्टेशन	गाड़ी सं. 03246/03252/03260/03248/03242 बेंगलुरु-दानापुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:00	दानापुर	23:55	----
20:25	20:27	प्रयागराज छिवकी	17:45	17:47
14:30	----	बेंगलुरु	----	23:50

नोट:- ट्रेनों से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1514/24(A)

CPRONCR | CPRONCR | cpro.ncr | www.ncr.indianrailways.gov.in | North central railways

सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर आउट कराने का कर रहा था दावा, एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

लखनऊ,(एजेंसी)। एसटीएफ ने अनिरुद्ध नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। अनिरुद्ध पर आरोप है कि वह सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर आउट कराने के नाम पर लोगों से रुपये वसूल रहा था। बताया जा रहा है कि आरोपित के मोबाइल से रकम वसूली का स्क्रीनशॉट भी बरामद हुआ है। आरोपित भदोही जिले का रहना वाला है। एसटीएफ ने आरोपित को पॉलिटेक्निक चौराहे पर धर दबोचा है। दरअसल, सिपाही भर्ती परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए योगी सरकार ने पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं। एसटीएफ पारदर्शिता भंग करने का प्रयास करने वालों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। शनिवार को पेपर लीक कराने के नाम पर ठगी करने वाले युवक अनिरूद्ध को गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ को शनिवार को सूचना मिली कि टेलीग्राम पर न्च च्वसपबम ब्वदेजंइसम चंपमत समांमक नाम का चौनल बना है, जिसके जरिये एक गिरोह परीक्षा के दिन से पहले पेपर आउट कराने का दावा कर रहा है। इतना ही नहीं पेपर के बदले एक–एक लाख रुपये की मांग कर रहा है। सूचना के आधार पर पॉलिटेक्निक चौराहे पर साथी का इंतजार कर रहे अनिरूद्ध नाम के एक युवक को एसटीएफ ने धरदबोचा। एसटीएफ की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि इण्टर की परीक्षा वर्ष 2024 में पास करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। टेलीग्राम पर म्तद उवदमल वदसपदम ग्रुप पर पार्ट टाइम पैसा कमाने का मैसेज था, जिसपर उसके द्वारा चौटिंग करते हुए बताया कि वह पार्ट टाइम काम करना चाहता है, जिसपर ग्रुप संचालक यानी की मास्टर माइंड अभय कुमार श्रीवास्तव ने उसे लखनऊ बुलाया और फर्जी नाम व पते का एक सिम उपलब्ध कराया। इतना ही नहीं उसके मोबाइल फोन पर गुगल–पे, फोन–पे, एयरटेल पेमेन्ट बैंक का एप लोड करके उसके पते पर एयरटेल पेमेन्ट बैंक का एटीएम आर्डर कर उससे कहा कि तुम्हें टेलीग्राम पर मेरे ग्रुप न्च च्वसपबम ब्वदेजंइसम चंपमत समांमक चौनल का संचालन करना है। साथ ही यह भी कहा कि समय–समय पर तुमको टेलीग्राम के माध्यम से बताता रहूँगा। प्रत्येक अभ्यर्थी से प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के लिए एक–एक लाख रुपये मांगना है लेकिन यदि कोई कम पैसे भी देने को कहता है तो भी उससे पैसे मंगा लेना और परीक्षा से पूर्व तक प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झाँसा देते रहना है। आरोपित अनिरुद्ध ने बताया कि जैसा उसे बताया गया, वह करता रहा। कई लोगों को पुराने पेपर को एडिट कर भेजता रहा है और उसके बदले मिले रुपये को वह आपस में बांट लिया करते थे।

हाथ पर बंधे कलावे काटे, पायल उतरवाये, सिपाही भर्ती परीक्षा में जबरदस्त चेकिंग

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन सुबह 8 बजे से केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लाइन लग गई। केंद्रों पर सुबह 9.30 बजे के बाद प्रवेश बंद हो गए। सभी केंद्रों पर तीन स्तर पर चेकिंग गई। वहीं राजधानी में 1871 सीसीटीवी और सभी 81 केंद्रों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। परीक्षा केंद्र के आसपास अभ्यर्थियों के परिजन को रूकने की अनुमति नहीं है। पुलिस भर्ती बोर्ड के मुताबिक सिपाही भर्ती परीक्षा के पहले दिन 21470 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी थी। पहली पाली में 10957 और दूसरी पाली में 10513 के परीक्षा छोड़ने की पुष्टि हुई। परीक्षा केंद्र के आसपास परिजनों को भी रुकने की अनुमति नहीं दी गई है। परीक्षार्थियों के हाथ में बंधे धागे, कलावा, जूते–मोजे उतरवा दिए गए।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की जोरदार तैयारी-जयवीर

लखनऊ,(एजेंसी)। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव समारोह जन्माष्टमी आस्था एवं भव्यता से मनाने की तैयारियां जोरों पर है। मथुरा में पर्यटकों की भारी संख्या को देखते हुए पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर फसाड लाइटिंग और साइनेज कार्य हेतु 20.99 करोड़ रुपए तथा यमुना नदी के घाटों के विकास एवं पुनरुद्धार कार्य के लिए 43.66 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर फसाड लाइटिंग और साइनेज कार्य हेतु मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था के रूप में नामित किया गया है। योजना मद में स्वीकृत 20.99 करोड़ रुपए के सापेक्ष 10 करोड़ रुपए की प्रथम किस्त की स्वीकृति भी राज्यपाल द्वारा मिल चुकी है। वहीं, यमुना नदी के घाटों के विकास एवं पुनरुद्धार कार्य हेतु स्वीकृत 43.66 करोड़ रुपए के सापेक्ष 15 करोड़ रुपए की प्रथम किस्त नामित कार्यदायी संस्था, सिंचाई विभाग और अपर खंड आगरा कैनाल को जारी की जा चुकी है। गोवर्धन पर्वत का धार्मिक महत्व है। मान्यताओं के अनुसार 21 किलोमीटर की गोवर्धन परिक्रमा को दो भागों में माना गया है। छोटी परिक्रमा लगभग 9 किलोमीटर और बड़ी परिक्रमा लगभग 12 किलोमीटर लंबी है। गोवर्धन परिक्रमा मानसी–गंगा कुंड से शुरू होती है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 13/2024 — दिनांकः 22.08.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्याः 19246741	ईएमडी (रू.): ₹ 101980/-
विवरणः बायो-मीट्रिक पहचान प्रणाली और ब्रीथ एनालाइज़र के साथ सूचना कियोस्क की आपूर्ति और स्थापना।	
मात्राः 29 नग	निविदा खुलने की तिथिः 19.09.2024

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण- IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III, Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट पर http://www.ncr.indianrailways.gov.in अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1498/24(A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | CPRONCR

सम्पादकीय.......

महिला सुरक्षा का प्रश्न

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा के बाद हुई हत्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देश में कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थल पर परिस्थितियां कितनी असुरक्षित हैं। वह भी इतनी भयावह कि कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ यह सब वीभत्स घट जाता है। निश्चित रूप से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन ही है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिये सुरक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के मद्देनजर विशाखा दिशा–निर्देश जारी करने के सत्ताईस साल बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के लिये तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं दूसरी ओर देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश के अनुपालन हेतु गठित एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स को चिकित्सा पेशवरों की सुरक्षा, महिला चिकित्सकों के लिये अनुकूल कामकाजी परिस्थितियां बनाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिये प्रभावी सिफारिशें तैयार करने का काम सौंपा गया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि ये सिफारिशें यदि जमीनी स्तर पर भी प्रभावी साबित हुईं तो किसी भी पेशे में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिये असरकारी साबित होंगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे। निस्संदेह, किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने के वक्त तमाम तरह के उपक्रम होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। यही वजह है कि नई कार्ययोजना बनाते समय इस बात का आकलन करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है कि महिला सुरक्षा को लेकर मौजूदा कानून और दिशा–निर्देश जमीनी स्तर पर बदलाव लाने में कितने सफल रहे हैं। सही मायनों में कानून बनाने और दिशा–निर्देश जारी करने से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका अनुपालन कितने पारदर्शी व संवेदनशील दृष्टि से किया जाता है। साथ ही विगत के अनुभवों से भी सबक लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद देश में कोलकाता कांड में भी उसी तरह की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसके बाद आवश्यकता महसूस की गई कि ऐसे क्रूर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने वाले कानून लाये जाएं। कालांतर देश में यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम अस्तित्व में आया। दरअसल, महिलाओं के लिये सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ ही विशाखा दिशा–निर्देशों के विस्तार के रूप में इसे अधिनियमित किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले साल, देश की शीर्ष अदालत ने इस अधिनियम के क्रियान्वयन के संबंध में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया था। साथ ही इससे जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर भी संकेत दिया था। इसके उदाहरण के रूप में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड अक्सर नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहा है। जिसमें आवंटित धन का पर्याप्त रूप में उपयोग न करना या फिर इस आवंटित धन का दुरुपयोग होना शामिल है। करीब एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के लिये महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आवंटित धनराशि का लगभग छिहत्तर फीसदी धन ही खर्च हो पाया है। निश्चित रूप से महिला सुरक्षा की ऐसी चुनौतियों के बीच कम धन का खर्च होना एक विडंबना ही कही जाएगी। वहीं इस दौरान देश में दर्ज किये गए बलात्कार के मामलों की संख्या में केवल नौ फीसदी की ही गिरावट दर्ज की गई है। निश्चित रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की जाने वाली किसी भी नई पहल पर इन तमाम गंभीर तथ्यों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि महिलाओं की सुरक्षा और कार्यबल में उनकी बड़ी भागीदारी तब तक अधूरी कही जाएगी, जब तक हम न केवल अपराधियों के खिलाफ बल्कि उन अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई नहीं करते, जो अपने कर्तव्य पालन में लापरवाही के लिये दोषी पाये जाते हैं।

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों?

एल.एस. हरदेनिया

“डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनकी मांग है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार कानून बनाये। पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं।”

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनकी मांग है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार कानून बनाये। पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी एम.एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे तब किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकठ्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ी।कानून और व्यवस्था लागू करने वाले अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आये दिन ऐसी खबरें मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने के अपराध पर कार्रवाई किया। अभी तक कई बड़े–बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं। अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आये दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गयी। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन–दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित है। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए–दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं। अभी हाल में भाजपा के एक विधायक ने सांसदों को गाली दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकठ्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है। कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक–दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा? कोलकाता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जायें कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पायें तो पूरे समाज में अराजकता फैल जायेगी। ब्रिटेन और अमेरिका में न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक द्रुत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गोरे पुलिस वाले ने मार डाला था। उसका अपराध द्रुत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सजा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है। पूरे समाज की सुरक्षा आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है। जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाये इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, या विधायक, शासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है।

पिछले दरवाजे से प्रवेश: जंग खाता आइरन फ्रेम

राजेन्द्र शर्मा

कहा जाता था कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत को असली मजबूती, शीर्ष नौकरशाही के उसके आइरन फ्रेम मिलती थी। स्वतंत्र भारत को यह आइरन फ्रेम विरासत में मिला था और मामूली परिवर्तनों के साथ, इसने अपनी ताकत को बनाए रखा। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह आइरन फ्रेम तेजी से जंग खाता जा रहा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आईएएस, आईएफएस, आईआरएस आदि शीर्ष पद संभालने वाले कॉडर पर टिकी इस व्यवस्था की सीमाओं को लेकर कई आलोचनाएं तो पहले भी होती रही थीं। लेकिन, पिछले ही दिनों सामने आए, आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर के फर्जीवाड़े से, इस आइरन फ्रेम में अंदर तक जंग लग जाने के गंभीर सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को इसकी आशंकाओं ने और भी बढ़ा दिया था कि यह धोखाधड़ी पूजा खेडकर के मामले तक सीमित नहीं लगती है और जाति से लेकर विकलांगता तक के फर्जी दावों के बल पर, पूरी व्यवस्था को ठग कर चोरी से इस आइरन फ्रेम में घुसपैठ करने वालों की संख्या बीसियों में हो सकती है। बहरहाल, ठगी के इस धक्के से यह आइरन फ्रेम संभल भी नहीं पाया था कि पिछले दरवाजे से प्रवेश या लेटरल एंट्री का, इस पूरी व्यवस्था के ही पूरी तरह से झकझोर कर रख दिए जाने का प्रसंग सामने आ गया। यह अगर संयोग है तब भी बहुत कुछ कहने वाला संयोग है कि स्वतंत्रता दिवस के फौरन बाद, 17 अगस्त को मोदी सरकार ने पूरे 22 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक तथा उप–सचिव जैसे उच्च पदों पर, पिछले दरवाजे से 45 नियुक्तियों के लिए विज्ञापन निकाला। ये नियुक्तियां हाथ के हाथ, 17 सितंबर तक हो जानी थीं। ये पद निजी क्षेत्र में सेवा का अनुभव रखने वालों के लिए सुरक्षित थे, जिनके लिए कोई सरकारी कर्मचारी एप्लाई नहीं कर सकता था। ये नियुक्तियां कांट्रैक्ट पर तीन साल के लिए होनी थीं, जिनका आगे दो साल विस्तार किया जा सकता था। हालांकि, सरकार की ओर से इन नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता का दावा करते हुए, इसकी दुहाई दी जा रही थी कि ये नियुक्तियां संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के जरिए ही की जाएंगी, जो कि शेष उच्च प्रशासनिक कॉडर की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार है, प्रशासनिक सेवा की सामान्य भर्ती प्रक्रिया से भिन्न, ये नियुक्तियां सिर्फ और सिर्फ साक्षात्कार के आधार पर की जा रही थीं। योग्यता के नाम पर सिर्फ कथित श्काम का अनुभवश पर सारा जोर रहने और सिर्फ साक्षात्कार पर आधारित चयन प्रक्रिया को देखते हुए, अगर व्यापक रूप से इसकी आशंकाएं जतायी जा रही थीं तो यह हैरानी की बात नहीं है कि यह सत्ताधारियों के पसंदीदा लोगों की पिछले दरवाजे से उच्च नौकरशाही में घुसपैठ का जरिया साबित होगा। वर्तमान शासन के संदर्भ में इसे सत्ताधारी पार्टी के मातृ संगठन, आरएसएस के लोगों के नौकरशाही में प्रवेश के चोर दरवाजा खोले जाने के रूप में देखा जा रहा है। स्वाभाविक रूप से इसे इस तथ्य से भी जोड़कर देखा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के चंद रोज बाद ही, सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी लगभग पांच दशक पुरानी पाबंदी को हटा लिया गया था। यानी इन दो कदमों का संयुक्त प्रभाव यह होना था कि शीर्ष नौकरशाही पर आरएसएस का शिकंजा और कस जाने वाला था। आरएसएस का शिकंजा कसना, सिर्फ नौकरशाही में एक संगठन का प्रभाव बढ़ने का ही मामला नहीं है। यह समूची जनतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ जाता है क्योंकि जनतांत्रिक व्यवस्था, सत्ताधारियों और शासन में एक भेद बने रहने का तकाजा करती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधारी बदलते हैं, जबकि शासन से निरंतरता की अपेक्षा की जाती है और उससे सत्ताधारियों की मनमर्जी से नहीं बल्कि देश के कानून व संविधान से ही संचालित होने की उम्मीद की जाती है। हालांकि हमारे देश के आज के हालात के संदर्भ में यह बहुत दूर की कल्पना लगती है, फिर भी जनतंत्र उच्च नौकरशाही से इसकी अपेक्षा करता है कि देश के कानून तथा संविधान के तकाजों के आधार पर उसे, सत्ताधारियों के अवैध आदेशों का पालन करने से इंकार करने की स्थिति में होना चाहिए। उच्च नौकरशाही के माध्यम से शासन तंत्र पर आरएसएस का बढ़ता हुआ कब्जा, न सिर्फ उक्त अपेक्षाओं को नकारता है बल्कि जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधारियों के बदलने की स्थिति में, नयी राजनीतिक सत्ता के साथ शासन तंत्र के साथ अनुचित टकराव की स्थितियां भी पैदा कर सकता है। राजधानी–राज्य दिल्ली में निर्वाचित सरकार और नौकरशाही के बीच केंद्र सरकार द्वारा भड़काया गया अंतहीन द्वंद्व, इन खतरों की वास्तविकता को रेखांकित कर देता है। बहरहाल, यह तो आइरन फ्रेम के भीतर से जंग खाया बनाए जाने का एक खास राजनीतिक पहलू भर है। इतना ही महत्वपूर्ण है, इस तरह की पिछले दरवाजे से भर्ती के जरिए, शासन तंत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती घुसपैठ के जरिए, शासन तंत्र की भूमिका के चरित्र का ही बदला जाना। जनतंत्र में शासन तंत्र से, समाज में विभिन्न वर्गों तथा उनके दावों से ऊपर, एक पंच की भूमिका अदा करने की अपेक्षा की जाती है। और जनतंत्र चूंकि जनता के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है, इस पंच से जनता के बहुमत यानी वंचितों के पक्ष में झुका हुआ होने की ही अपेक्षा की जाती है। लेकिन, पिछले दरवाजे से निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों का शासन तंत्र में बढ़ता दखल, शासन की भूमिका के इस चरित्र को, निजी क्षेत्र के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा झुकाने का ही काम करता है। इस लिहाज से, नौकरशाही में इन पिछले दरवाजे से भर्तियों की श्अग्निवीरोंश से तुलना, बिल्कुल ही अनुपयुक्त है। निजी क्षेत्र से आने वाले ये अफसरान, शासन में रहते हुए सहज रूप से निजी क्षेत्र के स्वार्थों को आगे तो बढ़ा ही रहे होंगे, इसके साथ ही उनका तीन या पांच साल की अवधि के लिए ही शासन को उपलब्ध होना।

मेष :– परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य–पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

बृषभ :– परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन :– परम्पराओ व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क :– किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत–प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्या :– प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला :– घर–परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

वृश्चिक :– आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

धनु :–मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका–चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

मकर :– कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ :– मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन :– अपनी वाणी पर नियंतण्ररखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

महिला सुरक्षा हो पहली प्राथमिकता

एजेन्सी

“दरअसल अमरावती की एक अदालत ने 4 फरवरी 2021 को एक युवक नाबालिग लड़की का पीछा करने पर दोषी ठहराते हुए एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के खिलाफ आरोपी ने हाई कोर्ट में अपील की थी।”

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने माना है कि अगर कोई लड़का नाबालिग लड़की से प्यार का इजहार करने के लिए लगातार उसका पीछा करता है, तो यह पॉक्सो कानून के तहत यौन उत्पीड़न के बराबर होगा। दरअसल अमरावती की एक अदालत ने 4 फरवरी 2021 को एक युवक नाबालिग लड़की का पीछा करने पर दोषी ठहराते हुए एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के खिलाफ आरोपी ने हाई कोर्ट में अपील की थी। अपीलकर्ता ने दावा किया था कि उसे झूठे केस में फसाया गया है, क्योंकि पीड़िता किसी और लड़के के साथ संबंध में थी। लेकिन हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में इस अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सानप ने तथ्यों के मद्देनजर कहा कि पीड़िता के बयान से स्पष्ट है कि अपीलकर्ता की उस पर कोई रुचि नहीं थी। बावजूद इसके अपीलकर्ता बार–बार उसका पीछा कर रहा था। वह उससे बात कर प्रेम संबंध बनाना चाहता था। वह इस उम्मीद में बार–बार उसका पीछा कर रहा था कि एक दिन वह उसके प्रेम को स्वीकार कर लेगी, जबकि पीड़िता की अपीलकर्ता में कोई दिलचस्पी नहीं थी। करीब साढ़े तीन दशक पहले फिल्म आई थी डर, जिसका बहुचर्चित गीत है तू हां कर या ना कर, तू है मेरी किरण। इस गीत में मधुरता के अलावा सब कुछ बेहद डरावना है, क्योंकि लड़की की मर्जी को यहां पुरुष के अहम तले कुचला जा रहा है। और लड़की जब नाबालिग हो तो यह मामला और संगीन हो जाता है। इस वक्त जब देश में यौन उत्पीड़न और महिला सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस खड़ी हो चुकी है, उसमें नागपुर बेंच का यह फैसला काफी मायने रखता है। अमरावती की जिस घटना पर आरोपी को सजा सुनाई गई, वैसी घटनाएं इस देश में हर रोज हजारों बार घटती हैं। लाखों लड़कियां छेड़खानी को किसी भयावह श्राप की तरह सहती हैं और अक्सर इस पर शिकायत नहीं करती, क्योंकि इसमें भी या तो उन्हीं की गलती तलाशी जाती है या फिर उनके पढ़ाई और करियर पर रोक लगा दी जाती है। बहुत से मामले तो ऐसे भी हुए हैं, जब लड़की की शिकायत पर परिजन उसका साथ देने आगे आएं, तो उनके साथ हिंसक व्यवहार होता है। छेड़खानी या यौन शोषण के मामले में लड़की अगर निचली जाति की हुई तब उसके लिए कानून के दरवाजे पर पहुंचना और कठिन हो जाता है। छेड़खानी के मामलों को नजरंदाज करना या उन पर किसी कड़ी सजा का प्रावधान न होना ही आगे जाकर बड़ी घटनाओं का रास्ता खोलता है। देश इस वक्त ऐसे कई मामलों पर फिर से समाज को उद्वेलित होता देख रहा है। कोलकाता मामले में तो अब सुप्रीम कोर्ट ही स्वतरू संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। जिसमें सभी संबंधित पक्षों से कई तरह के सवाल हो रहे हैं। डॉक्टरों के सामने अपनी सुरक्षा का सवाल भी खड़ा हो गया है, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से काम पर लौटने कहा है, साथ ही एक नेशनल टास्क फोर्स बनाने की बात कही है, जो डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टरों, सहायकों, नर्सों समेत सभी हितधारकों की बात सुनेगा। कोलकाता मामले में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुल चुकी है। खुद मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने कहा कि वे एक परिजन की बीमारी के दौरान सरकारी अस्पताल की फर्श पर सोए हैं और उन्होंने देखा है कि डॉक्टरों को 36–36 घंटे काम करना पड़ता है। जूनियर डॉक्टरों का हर तरह से शोषण होता है, यह बात भी शीर्ष अदालत के संज्ञान में आई है। कोलकाता मामले में पीड़िता के परिजनों को ये इंतजार है कि इंसाफ कब मिलेगा। लेकिन इस बीच महाराष्ट्र में ठाणे के बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण की घटना पर फिर से सियासत तेज हो गई है। हालांकि इस मामले में भाजपा प.बंगाल की तरह आवाज ऊंची नहीं कर रही है, क्योंकि महाराष्ट्र में उसी की सत्ता है और जिस स्कूल में यह वारदात हुई, वह भाजपा से जुड़ा व्यक्ति है। इस मामले में प्राथमिकी भी तभी दर्ज हो पाई, जब जनता इस पर नाराज होकर सड़कों पर उतरी। राहुल गांधी ने इस पर कहा कि क्या अब एफआईआर तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है? सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की श्मर्जी का मोहताजश नहीं बनाया जा सकता। आज के माहौल को राहुल गांधी की इस बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए, क्योंकि वे केवल सांसद ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष भी हैं और जिनके जिम्मे सत्ता है, यानी प्रधानमंत्री मोदी, वो इन मामलों पर कुछ कहते ही नहीं हैं।

लालकिले से महिला सम्मान और सुरक्षा को लेकर दो–चार वाक्य बोल देने और समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल मुहैया करवाने में काफी फर्क है। भाजपा इस फर्क को मिटा ही नहीं पा रही है। महाराष्ट्र के मामले में भाजपा के गठबंधन वाली महायुति सरकार का पक्षपाती नजरिया तभी सामने आ गया, जब सरकारी वकील के तौर पर उज्ज्वल निकम को नियुक्त किया गया। श्री निकम ने आतंकी कसाब को जेल में बिरयानी खिलाने वाला झूठ फैलाया था। वे भाजपा की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं, ऐसे में बेहतर होता कि किसी निष्पक्ष वकील को सरकार यह दायित्व सौंपती। वैसे बदलापुर की घटना के विरोध में महाविकास अघाड़ी ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया है। चुनाव में भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन फिलहाल सब के लिए पहली प्राथमिकता महिला सुरक्षा होना चाहिए, क्योंकि ये अकेले किसी एक दल या राज्य या परिवार के नहीं पूरे देश के हित की बात है।

डिजाइनरों से कपड़े उधार लेती थीं सोनम कपूर

सोनम कपूर ने कहा कि शुरुआती दौर में वह फैशन डिजाइनर्स से कपड़े उधार पर लेकर पहना करती थीं। मुझे अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही जगहों के डिजाइनर्स स्टार लगते थे। ऐसा नहीं है कि मैं फैशन के जरिए अपनी कोई छवि बनाना चाह रही थी। यह फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार है। उन्होंने कहा कि उधार पर कपड़े लेना मुझे ज्यादा

'फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार है'

फैशन डिजाइनरों से कपड़े उधार लेती थीं सोनम कपूर एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अपने फैशन को लेकर सुर्खियों में रहती हैं सोनम कुछ नया करने के लिए कुछ अलग करना पड़ता है। ऐसा ही कुछ किया था अभिनेत्री सोनम कपूर ने अपने करियर के शुरुआती दौर में। भले ही आज सोनम अपने फैशन की समझ को लेकर जानी जाती हों, लेकिन शुरुआती दौर में वह फैशन डिजाइनर्स से कपड़े उधार पर लेकर पहना करती थीं। हालांकि आज यह कोई नहीं बात नहीं है, लेकिन जब सोनम ने शुरुआत की थी, तब दौर ऐसा नहीं था। फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार– सोनम सोनम कहती हैं कि मैं सिर्फ वही पहनना चाहती थी, जो मुझे अपने जान–पहचान के डिजाइनरों के बनाए कपड़ों में पसंद आता था। यह समझ मुझे मेरी मां और फैशन के प्रति अपने जुनून से मिली। मुझे अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही जगहों के डिजाइनर्स स्टार लगते थे। ऐसा नहीं है कि मैं फैशन के जरिए अपनी कोई छवि बनाना चाह रही थी। यह फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार है। आगे बोलीं कि उस समय लोग कपड़े उधार नहीं लेते थे। मेरे हिसाब से हर चीज खरीदने का कोई मतलब नहीं था। ऐसा नहीं है कि मैं चीजें खरीदती नहीं हूं, लेकिन उधार पर कपड़े लेना मुझे ज्यादा व्यावहारिक लगा। यह तरीका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम था, लेकिन भारत में नहीं। मैं 20 साल की थी, जब बिना किसी और इरादे के केवल फैशन के लिए अपने जुनून को सबसे आगे रखा। भारतीय संस्कृति को लेकर कही ये बात सोनम फैशन फैशन के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रसिद्ध हैं। वह आगे कहती हैं कि कला, सिनेमा या फैशन के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता का प्रतिनिधित्व दुनिया के सामने करना मेरे लिए गर्व की बात है। रेड कार्पेट हो या कोई और मंच मैं भारतीय संस्कृति की सुंदरता को दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हूं।एक्ट्रेस सोनम कपूर भले ही फिल्मी दुनिया से दूर है लेकिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी ही रहती है। आज एक्ट्रेस अपनी फैशन सेंस के लिए जानी जाती है, लेकिन शुरुआती दौर में वह फैशन डिजाइनर्स से कपड़े उधार पर लेकर पहना करती थीं। हालांकि आज यह कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब सोनम ने शुरुआत की थी, तब दौर ऐसा नहीं था। सोनम कहती हैं कि मैं सिर्फ वही पहनना चाहती थी, जो मुझे अपने जान–पहचान के डिजाइनरों के बनाए कपड़ों में पसंद आता था। यह समझ मुझे मेरी मां और फैशन के प्रति अपने जुनून से मिली। मुझे अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही जगहों के डिजाइनर्स स्टार लगते थे। ऐसा नहीं है कि मैं फैशन के जरिए अपनी कोई छवि बनाना चाह रही थी। यह फैशन के प्रति मेरा सच्चा प्यार है। सोनम ने आगे कहा– उस समय लोग कपड़े उधार नहीं लेते थे। मेरे हिसाब से हर चीज खरीदने का कोई मतलब नहीं था। ऐसा नहीं है कि मैं चीजें खरीदती नहीं हूं, लेकिन उधार पर कपड़े लेना मुझे ज्यादा व्यावहारिक लगा। यह तरीका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम था, लेकिन भारत में नहीं। मैं 20 साल की थी, जब बिना किसी और इरादे के केवल फैशन के लिए अपने जुनून को सबसे आगे रखा। इसके अलावा सोनम ने कहा कि कला, सिनेमा या फैशन के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता का प्रतिनिधित्व दुनिया के सामने करना मेरे लिए गर्व की बात है। रेड कार्पेट हो या कोई और मंच मैं भारतीय संस्कृति की सुंदरता को दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हूं।

कुछ इस लुक में पपराजी के कैमरे में स्पॉट हुई जॉर्जिया एंड्रियानी

जॉर्जिया एंड्रियानी व्हाइट बॉडीफिटेड टॉप के साथ ब्लैक शॉर्ट्स में काफी हॉट लग रहीं...

पूजा हेगड़े के लुक पर टिक गई सबकी निगाहें

मूवी प्रमोशन पर पूजा हेगड़े पर्पल कलर के स्टाइलिश डिजाइनर पैंट–सूट में नजर आई, जिसके साथ उन्होंने फ्लॉवर डिजाइन वाला टॉप वियर किया...

सोनम कपूर के फ्लॉलेस बॉस लेडी लुक पर मर मिटे फैंस, बोले – परफेक्ट एज ऑलवेज

सोनम कपूर ग्रे कलर की लॉन्ग स्कर्ट के साथ एक डिफरेंट स्टाइल के ब्लेजर में नजर आ रहीं हैं, जिसके साथ उन्होंने एक ब्लैक डीप नेक टॉप भी वियर किया...

जॉन अब्राहम ने फिल्में प्रोड्यूस करना तब शुरू किया, जब उन्हें अपनी एक्टिंग से खुशी नहीं मिल रही थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि कई सालों तक उनके पास काम नहीं था। इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया था। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया। उन्होंने दिखाया कि वह सिर्फ एक एक्शन हीरो नहीं हैं, बल्कि और भी बहुत कुछ हैं। 2023 में, जॉन ने श्पठानश में विलेन का रोल किया। यह उनके करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में जॉन से पूछा गया कि उन्होंने प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्यों किया। इस पर जॉन ने कहा, श्जो फिल्में मैं कर रहा था, उनसे खुश नहीं था। मैं बदलाव चाहता था। मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। लोग मुझे एक भारी–भरकम आदमी से ज्यादा समझने लगे। उन्होंने देखा कि मेरे पास दिमाग भी है। उन्होंने महसूस किया कि मैं अलग–अलग तरह की फिल्में बना सकता हूं।

अभिनेता–मॉडल नताशा स्टेनकोविक और क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने पिछले महीने अपने तलाक की घोषणा की थी। अब, कुछ लोगों को लग रहा है कि हार्दिक पांड्या का जैस्मिन वालिया के साथ श्इश्कश चल रहा है। अभिनेता–मॉडल नताशा स्टेनकोविक और क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने पिछले महीने अपने तलाक की घोषणा की थी। अब, कुछ लोगों को लग रहा है कि हार्दिक पांड्या का जैस्मिन वालिया के साथ श्इश्कश चल रहा है। उनमें से कई ने ग्रीस में एक ही जगह से दोनों की अलग–अलग तस्वीरें भी पोस्ट की हैं, जिसमें कहा गया है कि वे साथ में छुट्टियां मना रहे हैं। कौन हैं जैस्मिन वालिया ब्रिटिश सिंगर और टेलीविजन पर्सनालिटी जैस्मिन ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में गाने रिलीज किए हैं। 2017 में, उन्होंने जैक नाइट के साथ अपना सिंगल बॉम डिग्गी रिलीज किया, और यह हिट रहा। उन्होंने सबसे पहले रियलिटी टीवी सीरीज, द ओनली वे इज एसेक्स (2010) में काम किया। उन्होंने फरवरी 2014 में एक ल्वनज्नइम चौनल शुरू किया और जैक नाइट और ओली ग्रीन म्यूजिक जैसे कलाकारों के साथ गाने के कवर अपलोड करना शुरू किया। वे देसी रास्कल्स 2 (2015) का हिस्सा रही हैं और इसमें उनके तत्कालीन बॉयफ्रेंड रॉस वॉर्सविक भी थे। जैस्मीन ने अपना पहला सिंगल, दम दी दी दम, 2016 में जैक नाइट के साथ मिलकर रिलीज किया था। उनका दूसरा सिंगल गर्ल लाइक मी, 2016 में उनके ल्वनज्नइम चौनल पर रिलीज किया गया था। 2017 में, उन्होंने अपना तीसरा गाना, टेंपल रिलीज किया, उसके बाद गो डाउन और बॉम डिग्गी रिलीज की। उन्होंने 2018 की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी के गाने बॉम डिग्गी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। प्लेटफॉर्म पर, ष्हार्दिक पांड्या की नई गर्लफ्रेंड?ष कैप्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की गई थी। इसमें आगे लिखा था, ष्क्या हार्दिक अब जैस्मीन वालिया के साथ रोमांस कर रहे हैं? जैस्मीन के इंस्टाग्राम पोस्ट को देखकर, मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा ही है। वे श्रीलंका सीरीज के बाद ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मना रहे थे।

इसकी शुरुआत हार्दिक द्वारा जैस्मीन द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई सीरीज को लाइक करने से होती है।ष इसमें आगे कहा गया, ष्अगली चीज जो मैंने देखी वह यह है कि वह भारत–श्रीलंका सीरीज के दौरान श्रीलंका में है। वह हर मैच के लिए स्टेडियम में भी है। फिर वह कुछ तस्वीरें पोस्ट करती है, जिसमें मैं उसके पास एक टैटू वाला हाथ देख सकता हूँ, जो हार्दिक के टैटू जैसा ही है। फिर अलग–अलग, दोनों ग्रीस से इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हैं।

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। देश के कई राज्यों में डॉक्टर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटना ने उन महिलाओं की चिंता बढ़ा दी है जो रात को ड्यूटी करती हैं। रात की ड्यूटी करने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में आज हम आपको कुछ सेफ्टी टिप्स बता रहे हैं जिसका पालन कर रात की ड्यूटी करने वाली महिलाएं खुद को सुरक्षित रख सकती हैं और किसी भी अप्रिय स्थिति से बच सकती हैं।

ट्रांसपोर्टेशन प्लानिंग

रात में ऑफिस से घर जाते समय सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन का चयन करें। अगर कंपनी कैब सुविधा देती है, तो इसका उपयोग करें। कैब बुकिंग ऐप का उपयोग करते समय, कैब की डिटेल्स जैसे कि वाहन का नंबर, ड्राइवर का नाम और अन्य जानकारी को किसी विश्वसनीय व्यक्ति के साथ साझा करें। अगर संभव हो, तो अपने किसी सहकर्मी के साथ यात्रा करें।

ऑफिस और घर का स्थान

ऑफिस और घर के रास्ते की जानकारी रखें और कोशिश करें कि आप अच्छी तरह से रोशनी वाले और भीड़भाड़ वाले रास्तों से ही जाएं।अगर घर या ऑफिस का इलाका सुरक्षित नहीं लगता, तो आसपास के लोगों या सुरक्षा गार्ड से सहायता मांगें।

अलर्ट रहें

हर समय सतर्क रहें और अपने आसपास के माहौल पर ध्यान दें। मोबाइल फोन का उपयोग करते समय ध्यान रखें कि आप पूरी तरह से अपने आसपास के माहौल से अवगत रहें। अनजान लोगों से बातचीत करते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत अपने नियोक्ता या स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों को दें।

सेल्फ–डिफेंस का ज्ञान

सेल्फ–डिफेंस की बेसिक ट्रेनिंग लें ताकि आप किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में अपनी रक्षा कर सकें। साथ ही, हमेशा अपने साथ पेपर स्प्रे, टसर (जेंमत) या कोई अन्य सुरक्षा उपकरण रखें जो आसानी से उपलब्ध हो और उपयोग में सरल हो। अपने फोन में कुछ इमरजेंसी नंबर, जैसे कि परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों, और स्थानीय पुलिस के नंबर को सुरक्षित रखें। इन नंबरों को फास्ट डायल पर सेट करें ताकि आप तुरंत मदद मांग सकें।

ऑफिस में सेफ्टी प्रोटोकॉल

सुनिश्चित करें कि आपके ऑफिस में रात की ड्यूटी के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है। यदि संभव हो, तो अपने नियोक्ता से रात के समय ऑफिस के आस–पास की सुरक्षा को बढ़ाने की मांग करें, जैसे कि सुरक्षा गार्ड या सीसीटीवी कैमरा। अपने स्मार्टफोन में सुरक्षा ऐप्स इंस्टॉल करें, जैसे कि बटन दबाने पर इमरजेंसी अलर्ट भेजने वाले ऐप्स। ये ऐप्स आपके दोस्तों या परिवार को आपकी लोकेशन और स्थिति के बारे में सूचित कर सकते हैं।

खुद को दृढ़ता से प्रस्तुत करें

किसी भी स्थिति में अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें। जब आप आत्मविश्वास के साथ चलती हैं और बोलती हैं, तो यह आपको एक कठिन लक्ष्य बना सकता है। रात की ड्यूटी करने वाली महिलाओं को अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। पर्याप्त नींद, सही भोजन, और नियमित एक्सरसाइज से खुद को स्वस्थ रखें ताकि आप सतर्क और सक्रिय रहें। अपने परिवार या दोस्तों के साथ नियमित चेक–इन करने की व्यवस्था करें। ऑफिस पहुंचने और घर लौटने पर उन्हें सूचित करें।

एआई मॉडल जेमिनी को लेकर लाइव डेमो के दौरान परेशानियां आईं। गूगल जेमिनी से इस इवेंट के दौरान सवाल पूछे गए लेकिन मॉडल इन सवालों को जवाब देने में नाकामियाब रहा। ऐसा एक बार नहीं बल्कि दो बार हुआ। गूगल का ये इवेंट लाइव चल रहा था। इस दौरान एआई को कुछ टास्क दिए गए, जो मॉडल पूरा न कर सका।

गूगल का सबसे बड़ा मेड बाय गूगल इवेंट कंपनी के लिए जेमिनी के कारण से शर्मिंदगी का कारण बन गया। कंपनी के पावरफुल एआई मॉडल जेमिनी को लेकर लाइव डेमो के दौरान परेशानियां आईं। गूगल जेमिनी से इस इवेंट के दौरान सवाल पूछे गए लेकिन मॉडल इन सवालों को जवाब देने में नाकामियाब रहा। ऐसा एक बार नहीं बल्कि दो बार हुआ। गूगल का ये इवेंट लाइव चल रहा था। इस दौरान एआई को कुछ टास्क दिए गए, जो मॉडल पूरा न कर सका। मंगलवार को हुए गूगल इवेंट में कंपनी जेमिनी और इसकी नई खूबियों को लेकर जानकारी दे रही थी।

फेल हुआ गूगल का जेमिनी एआई

गूगल कैलेंडर ऐप में जेमिनी इंटीग्रेशन को डेमो के रूप में दिखा रहा था। जिसके तहत एआई से सवाल किया गया, जिसका जवाब न मिल सका। जवाब देने के बजाय जेमिनी पहले वाले प्रॉम्प्ट पर आ गया और यूजर को दोबारा से डिटेल्स एंटर करने को कहने लगा। ये इवेंट में दो बार हुआ।

हालांकि, गूगल जेमिनी को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने ये सब नोटिस कर लिया, जिसके बाद माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर यूजर्स अपनी–अपनी प्रतिक्रिया देने लगे।

अगर आप रोजाना कॉलेज या ऑफिस जाती हैं, तो आप झटपट तैयार होती होंगी। ऐसे में रोजाना कोई मेकअप पर ज्यादा समय नहीं खर्च कर सकता है। ऐसे में अगर आप बिना समय दिए फुल मेकअप वाला लुक चाहती हैं, तो आप इन बीबी क्रीम का यूज कर सकती हैं।

अगर आप रोजाना कॉलेज या ऑफिस जाती हैं, तो आप झटपट तैयार होती होंगी। ऐसे में रोजाना कोई मेकअप पर ज्यादा समय नहीं खर्च कर सकता है। ऐसे में अगर आप बिना समय दिए फुल मेकअप वाला लुक चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसी बीबी क्रीम के बारे में बताने जा रहे हैं, यह आपकी स्किन में मौजूद कमियों को ढककर आपको नेचुरल लुक देने का काम करता है। बता दें कि बीबी क्रीम से आपकी त्वचा को विटामिन और न्यूट्रिशन मिलता है। वहीं यह हर मौसम में आपकी त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज करके यूवी प्रोटेक्शन देती है।

मार्स बीबी क्रीम

मार्स की यह बीबी क्रीम आपके फेस पर लाइटवेट फाउंडेशन का काम करती है। इसको हर तरह की स्किन टाइप की महिलाएं यूज करती हैं। यह क्रीम आपको 6 शेड्स में मिलती है। ऐसे में आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से इस क्रीम का चुनाव कर सकती हैं। यह आपकी त्वचा को मैट फिनिश देने का काम करती है। आप इस क्रीम को फेस मेकअप के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

फेयर एंड लवली बीबी फेस क्रीम

फेयर एंड लवली मैट फिनिश वाली बीबी क्रीम फेस को नेचुरल टच देने का काम करती है और यह पोर्स को ब्लॉक नहीं होने देती है। इस क्रीम से पिंपल और एक्ने का खतरा नहीं होता है। यह आपके फेस के डार्क स्पॉट्स और झाइयों को कवर करती है। फेयर एंड लवली बीबी फेस क्रीम का नॉन ऑयली फिनिश आपकी स्किन को फ्रेश रखता है। हालांकि इसको अप्लाई करने से फेस को अच्छे से साफ कर लें।

रेनी बीबी क्रीम

यह बीबी क्रीम 7 इन 1 फीचर्स से भरी हुई है। इस क्रीम में SPF 30 भी शामिल है, जो हमारी स्किन को यूवी रेज से बचाता है। इसमें मौजूद विटामिन सी और भ्लंसनतवदपब ।बपक होता है, जो त्वचा को हाइड्रेट रखती है और नरिशमेंट के साथ स्किन को स्मूद बनाती है। इस क्रीम में बटरस्कॉच की खुशबू आपको खुशनुमा एहसास कराती है।

द डर्मा बीबी क्रीम

बता दें कि यह क्रीम न्यूड कलर में आती है और इसको कोई भी स्किन टाइप वाली महिला इस्तेमाल कर सकती है। इसको फेस पर लगाने से झाइयां कवर होती हैं और यह हर जगह समान स्किन टोन देती है। यह क्रीम त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ ही इसमें सन प्रोटेक्शन भी मिलता है। द डर्मा क्रीम पैराबेन फ्री है, जिससे त्वचा को किसी तरह की एलर्जी से नहीं जूझना पड़ता है।

मामाअर्थ बीबी क्रीम

डंउंमंतजी की यह बीबी क्रीम ग्लो सीरम वाली होती है। इस स्किन फाउंडेशन कंसीलर को हल्दी और विटामिन से इनरिच किया गया है। जहां हल्दी त्वचा को हाइड्रेट रखती है, तो वहीं स्किन को नरिश करने का भी काम करती है। वहीं सन प्रोटेक्शन के कारण यह त्वचा को टैनिंग से बचाता है और इस क्रीम को हर स्किन टोन के हिसाब से तैयार किया गया है।

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो हमेशा खतरनाक बीमारियों खतरा बना रहता है। फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और कई अन्य जानलेवा बीमारियां होती हैं। जांच और प्रारंभिक पहचान आपके जीवन को बचा सकती है और आज तम्बाकू छोड़ने से कल जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

आजकल काफी बीमारियां फैल रही हैं। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो हमेशा खतरनाक बीमारियों खतरा बना रहता है। जो लोग धूम्रपान करते हैं फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और कई अन्य जानलेवा बीमारियां का प्रमुख परिणाम हैं। अपने और अपने प्रियजनों के जीवन को बचाने के लिए आपका सबसे अच्छा और सुरक्षित दांव धूम्रपान छोड़ना होगा। जब आप धूम्रपान करते हैं तो आप खुद को और अपने आस–पास के लोगों को गंभीर बीमारियों के अधिक जोखिम में डालते हैं। जो लोग धूम्रपान करते हैं वो लोग एक बार ये 8 टेस्ट जरुर कराएं, यह टेस्ट हर एक धूम्रपान करने वाले को करवाने चाहिए।

छाती का एक्स–रे जरुर कराएं

धूम्रपान करने वालों के लिए छाती का एक्स–रे एक बहुत ही महत्वपूर्ण जांच है। एक्स–रे आपकी छाती की एक छवि प्रदान करता है और धूम्रपान के कारण होने वाली किसी भी समस्या का पता लगाने में मदद करता है।

स्पाइरोमेट्री

स्पाइरोमेट्री, जिसे पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) के नाम से भी जाना जाता है, एक सरल श्वास परीक्षण है, जिसमें मरीज एक मशीन में फूंक मारता है और सांस लेता है, जिससे यह पता चलता है कि उसके फेफड़ों में कितनी हवा अंदर और बाहर जा रही है।

सीटी स्कैन

लो–डोज कंप्यूटेड टोमोग्राफी (LD-CT) स्कैन फेफड़ों के कैंसर जैसी बड़ी समस्याओं का पता लगाने में मदद करता है। यह बेहतर डायग्नोस्टिक इमेज प्रदान करता है जिससे डॉक्टरों को फेफड़ों के कैंसर जैसी समस्याओं का शुरुआती चरणों में पता लगाने में मदद मिलती है।

उच्च संवेदनशीलता सी–रिएक्टिव प्रोटीन (एचएस–सीआरपी) टेस्ट, यह एक रक्त परीक्षण है जो सी–रिएक्टिव प्रोटीन के निम्न स्तर का पता लगाता है और आपके शरीर में सूजन के सामान्य स्तर को मापता है। इसका उपयोग यह पता लगाने के लिए किया जा सकता है कि लोगों को हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा है या नहीं।

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम

यह धूम्रपान करने वाले के दिल में किसी भी जटिलता का पता लगाने में मदद कर सकता है। यह नियमितता और दिल की धड़कन का परीक्षण करता है और किसी भी संभावित हृदय संबंधी समस्याओं का शुरुआती चरण में पता लगाने में मदद करता है।

डायबिटीज की जांच

धूम्रपान करने से शरीर इंसुलिन के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो जाता है, जिससे ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है। यही कारण है कि मधुमेह की जांच के लिए भी जांच की सलाह दी जाती है।

विटामिन डी ब्लड टेस्ट

40 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और धूम्रपान करते हैं? तो आपको यह परीक्षण अवश्य करवाना चाहिए। वास्तव में, अधिकांश धूम्रपान करने वालों के रक्त में विटामिन डी की मात्रा कम होती है।

किडनी फंक्शन टेस्ट

यदि आप धूम्रपान करते हैं, तो आपको क्रोनिक किडनी रोग (ब्ज्ञक) होने की अधिक संभावना है। यदि आपको मधुमेह या हृदय रोग है, तो इसका जोखिम अधिक है। ब्ज्ञक के कोई शुरुआती लक्षण नहीं होते, इसलिए जांच करवाना महत्वपूर्ण है। समझें कि आप अपने शरीर को किस स्थिति में डाल रहे हैं और पेशेवरों से मदद लें। जांच और शुरुआती पहचान आपकी जान बचा सकती है और आज तंबाकू छोड़ने से कल जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त हो सकती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

त्योहारी सीजन से पहले अमेजन इंडिया ने लिया बड़ा फैसला, अब कटेगा ये शुल्क

भारत में अब त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। अमेजन इंडिया ने इसे देखते हुए बड़ा फैसला किया है। अमेज़न इंडिया ने शनिवार को त्योहारी सीजन से पहले मार्केटप्लेस पर विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में 12 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा की है। शुल्क कटौती को लेकर अमेजन इंडिया ने बयान भी जारी किया है। अमेज़न इंडिया ने कहा कि शुल्क में कटौती की गई है जो कि नौ सितंबर से प्रभावी होगी। इस फैसले के बाद विक्रेताओं को मंच पर अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने में सक्षम बनाएगी और विकास को बढ़ावा देगी। कंपनी ने कहा, ष्इन बदलावों से अमेज़न इंडिया पर विक्रेताओं को विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में 3—12 प्रतिशत तक की कमी का लाभ मिलेगा।ष बयान में कहा गया है कि नए रेट कार्ड से विशेष रूप से 500 रुपये से कम कीमत वाले उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं को लाभ होगा। अमेज़न इंडिया में सेलिंग पार्टनर सर्विसेज के निदेशक अमित नंदा ने कहा, ष्अमेज़ॅन में, हम छोटे और मध्यम व्यवसायों से लेकर उभरते उद्यमियों और स्थापित ब्रांडों तक सभी आकार के व्यवसायों का समर्थन करने में निवेश करते हैं। शुल्क में कमी सीधे हमारे विक्रेताओं, विशेष रूप से छोटे व्यवसायों से मिली प्रतिक्रिया के जवाब में है।ष कंपनी ने कहा कि हालांकि शुल्क में कटौती का समय त्योहारी सीजन के अनुरूप है, लेकिन ये परिवर्तन अस्थायी उपाय नहीं हैं। शुल्क में कटौती से विक्रेताओं को दिवाली की खरीदारी के समय तथा त्यौहारों के बाद भी अपने परिचालन को अनुकूलतम बनाने का अवसर मिलेगा। नंदा ने कहा, षविक्रेताओं, विशेष रूप से किफायती उत्पाद बेचने वालों को अमेज़न पर शुल्क में उल्लेखनीय कमी का अनुभव होगा। इससे उन्हें अपने व्यवसाय में तेजी से वृद्धि के लिए पुनर्निवेश करने का अवसर मिलेगा।

यूपीआई से गलत अकाउंट में भेजे हैं पैसे तो ऐसे कर सकते हैं शिकायत

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए पैसे भेजना काफी आम और आसान हो गया है। यूपीआई किसी क्रांति की तरह देश में फैला है, जिससे फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की आदतें काफी बदल गई है। अब कई किलोमीटर दूर पैसे भेजना सिर्फ कुछ सेकेंड का काम हो गया है। हालांकि एक क्लिक पर पैसे भेजने के इस तरीके में कई बार लोगों से गलतियां भी हो जाती है। कई बार लोग गलत यूपीआई आईडी

पर पेमेंट कर देते है। ऐसे में ये जरुरी है कि ऐसी गलती होने पर घबराने की जरुरत नहीं होती है बल्कि इस गलती को ठीक किया जा सकता है। ऐसी गलती को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यूपीआई को लेकर कुछ गाइडलाइंस जारी की है। इसके जरिए अगर कोई यूजर गलत यूपीआई आईडी पर पैसे ट्रांसफर करता है तो 24 से 48 घंटों के बीच यूजर को उसका पैसा वापस मिल सकता है। खासतौर से उन मामलों में जब सेंडर और रिसिवर का बैंक एक ही हो। अगर दोनों के बैंक अलग अलग होते हैं तो रिफंड में थोड़ा अधिक समय लग सकता है। जानकारी के लिए बता दें कि अगर गलत यूजर आईडी पर पैसे ट्रांसफर हुए हैं तो उस व्यक्ति से संपर्क करना चाहिए जिसे गलती से पैसे भेजे गए है। पैसे पाने वालों को ट्रांजेक्शन की डिटेल्स भेजकर उससे पैसे वापस मांगे जा सकते है। वहीं यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए गलत पेमेंट होने पर यूपीआई पर भी कस्टमर केयर नंबर होता है। इस नंबर पर भी संपर्क किया जा सकता है और ट्रांजेक्शन की जानकारी दी जा सकती है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 18001201740 पर कॉल कर संपर्क करना चाहिए और शिकायत की जा सकती है। बता दें कि इन दिनों कई ऐप्स अवेलेबल हैं, जिनके जरिए पेमेंट करना संभव है। ऐसे में इन ऐप्स के कस्टमर केयर नंबर पर भी संपर्क कर शिकायत की जा सकती है। ये शिकायत एनपीसीआई पोर्टल पर भी दर्ज हो सकती है, जिससे ग्राहकों को समय से उनका पैसा वापस मिल सकता है।

रिटायरमेंट के बाद आईपीएल में खेलेंगे शिखर धवन?

भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। लगभग 14 साल के लंबे करियर का अंत करने के बाद धवन अपनी जिंदगी की पारी खेलने के लिए तैयार हैं। हालांकि, फैंस अभी भी एक चीज को लेकर असमंजस में हैं। दरअसल, वो जानना चाहते हैं कि शिखर धवन अब आईपीएल में खेलेंगे या नहीं। कई क्रिकेटर ऐसे हैं जो इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आईपीएल खेलना जारी रखते हैं। वहीं इस सवाल का जबाव धवन के वीडियो में ही छिपा है। दरअसल, शिखर धवन ने अपने रिटायरमेंट के वीडियो में इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। हालांकि, उन्होंने वीडियो में कहीं भी आईपीएल से संन्यास को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि वह आगामी आईपीएल में फैंस का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। शिखर धवन के आईपीएल के भविष्य पर सबसे पहला सवाल ये है कि वह आने वाले समय में पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हुए दिखेंगे या फिर मेगा ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिए जाएंगे। धवन पिछले साल तक पंजाब किंग्स के कप्तान थे लेकिन बीच में वह चोटिल हो गए थे जिसकी वजह से वह ज्यादातर मैच नहीं खेल पाए थे।

शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया संन्यास, घोषणा कर कहा- मैं रोना नहीं चाहता, लेकिन...

भारतीय क्रिकेट टीम के गब्बर कहे जाने वाले शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। भारत के बेहतरीन सलामी बल्लेबाजों में से एक शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। संन्यास की घोषणा के साथ ही 38 वर्षीय धवन ने स्पष्ट किया कि वो लीग क्रिकेट खासतौर से आईपीएल में खेलना जारी रखेंगे। गौरतलब है कि शिखर धवन, जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिए दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेला था। अपने करियर के दौरान शिखर ने ने 269 मैचों में 10,867 रन बनाए हैं, जिसमें 24 शतक, 44 अर्द्धशतक शामिल हैं और पिछले एक दशक में भारतीय बल्लेबाजी के मुख्य आधारों में से एक हैं। हिंदुस्तान टाइम्स के साथ हुई खास बातचीत में शिखर धवन ने बताया कि मेरे लिए ये कोई कठिन फैसला नहीं है। ना ही मैं भावुक हूं। मैं रोना या कुछ और नहीं चाहता हूं। ये आभार और प्यार है। मैंने अपने जीवन का अधिकतर समय क्रिकेट खेलने में व्यतीत किया है। मुझे लगता है कि मैं अब उस स्थिति में हूं जब मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से आराम करना चाहूंगा। गौरतलब है कि शिखर धवन की प्रतिभा वर्ष 2004 में अंडर 19 वर्ल्ड कप के दौरान देखने को मिली थी। इस दौरान उन्होंने तीन शतकों की बदौलत और 505 रन बनाए। देर से उभरने वाले धवन ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान भारत के लिए पदार्पण किया, जहाँ वे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। एक साल बाद उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ चार और एकदिवसीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने

51 रन बनाए। हालाँकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2013 की बॉर्डर—गावस्कर ट्रॉफी तक धवन ने पदार्पण नहीं किया था, जिसमें उन्होंने 85 गेंदों पर सबसे तेज़ शतक बनाया था। धवन ने कहा, ष्मेरा टेस्ट डेब्यू मेरा निजी पसंदीदा है। मैं टीम में आया और रिकॉर्ड बनाया। मैंने 187 रन बनाए। मैं हमेशा भारत के लिए खेलने और विश्व रिकॉर्ड बनाने का सपना देखता था। मुझे विश्व रिकॉर्ड के बारे में पता भी नहीं था। मैं टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करके खुश था।'' टेस्ट मैचों में धवन की धमाकेदार शुरुआत ने उनके वनडे में वापसी का रास्ता साफ कर दिया। 2013 चौंपियंस ट्रॉफी में एमएस धोनी ने धवन और रोहित शर्मा की एकदम नई ओपनिंग जोड़ी उतारी। धवन ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार शतक बनाए और बाकी३जैसा कि वे कहते हैं३ इतिहास है। धवन ने 363 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता। ये खिताब बेहद खास था क्योंकि भारत ने पहली बार खिताब जीता था। शिखर धवन ने खुद को आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए भारत का खिलाड़ी साबित किया। वे 2015 के विश्व कप में 51.5 की औसत से आठ मैचों में 412 रन बनाकर भारत के सर्वोच्च स्कोरर बने और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ उनकी शतकीय पारी — 137 रनों की शानदार पारी को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक माना जाता है। धवन ने 2017 चौंपियंस ट्रॉफी में भी 338 रन बनाकर अजेय प्रदर्शन किया। रोहित के साथ मिलकर धवन ने सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली के बाद वनडे में भारत की दूसरी सबसे सफल ओपनिंग जोड़ी बनाई। वास्तव में, रोहित और धवन ने 115 पारियों में 45.55 की औसत से 18 शतकों के साथ 5148 रन बनाए हैं, जो अब तक की चौथी सबसे बड़ी ओपनिंग जोड़ी है।

ग्राहकों को व्सं का तोहफा, फिर शुरू की कारपूलिंग की सर्विस

ओला कंपनी अपने ग्राहकों के लिए एक ऐसी सर्विस को फिर से शुरू करने जा रही है जो वो पहले भी देती रही है। ओला शेयर नाम से कंपनी ने अपनी कारपूलिंग सुविधा को फिर से शुरू किया है। ये जानकारी मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, भाविश अग्रवाल ने दी है। इस सर्विस को चार साल पहले भी चलाया जाता था मगर कोरोना काल में इस सर्विस को बंद कर दिया गया था। अब लगभग चार साल बाद यह सुविधा शुरू की गई है। अग्रवाल ने 15 अगस्त को ओला के वार्षिक सामुदायिक कार्यक्रम श्संकल्पश में भी इस सुविधा की घोषणा की थी। भाविश अग्रवाल ने कहा, ष्हम सस्ती सवारी के लिए ओला शेयर को वापस ला रहे हैं। इस बार एआई संचालित एल्गोरिदम के साथ अनुभव बहुत बेहतर है... हम जल्द ही अन्य शहरों में विस्तार करने पर विचार करेंगे।ष इसी तरह, उबर ने दिल्ली में अपनी ग्रुप राइड्स और रैपिडो ने बेंगलुरु में अपनी कारपूलिंग सेवाएं शुरू की थीं। बता दें कि कारपूलिंग ऐसी सर्विस होती है जिसमें एक बड़े व्हीकल में एक साथ कई अलग अलग लोग यात्रा करते है। आमतौर पर ऐसे लोगों को एक ही जगह पर जाना होता है। आमतौर पर निजी कार मालिकों को इस सर्विस के जरिए ये अनुमति होती है कि वो सवारी को साझा कर सकते है।

एफडीआई से आखिरी अप्रूवल जल्द ही, दिवाली के बाद हो सकता है फाइनल मर्जर

विस्तारा एयरलाइंस का एयर इंडिया में होने जा रहा मर्जर काफी आगे पहुंच चुका है। अब ये विलय सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) से फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट (एफडीआई) के लिए अंतिम अनुमोदन के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। यह मंजूरी सिंगापुर एयरलाइंस को अनुमति देगी, जिसने विस्तारा में 49: हिस्सेदारी रखी थी, ध 2,059 करोड़ का निवेश करके विलय की गई एयरलाइन में 25.1: हिस्सेदारी हासिल करने के लिए। टाटा समूह एयर इंडिया में शेष 74.9: हिस्सेदारी रखेगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रतियोगिता आयोग और सिविल एविएशन के महानिदेशालय समेत नियामक निकायों से सभी आवश्यक अनुमोदन पहले से ही हैं। सरकार की एफडीआई क्लीयरेंस के बाद, विलय की गई इकाई को यात्रियों को विलय के लिए समयसीमा की घोषणा करने की उम्मीद है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिन्होंने विलय की तारीख के बाद विस्तारा उड़ानों पर टिकट बुक किए हैं। इन यात्रियों को नए एयर इंडिया फ्लाइट नंबरों और समय के बारे में सूचित किया जाएगा। सूत्रों ने टीओआई के सौरभ सिन्हा को बताया कि पीक फेस्टिव ट्रैवल सीजन के दौरान संभावित व्यवधानों से बचने के लिए 1 नवंबर के आसपास, दिवाली के बाद विलय होने की संभावना है। दिवाली के बाद और शीतकालीन कोहरे की शुरुआत के बीच की अवधि, जो आमतौर पर 20 दिसंबर के आसपास शुरू होती है, को विलय के लिए एक आदर्श माना जाता है। यह समय एयरलाइन को सर्दियों के मौसम की जटिलताओं से पहले किसी भी प्रारंभिक विलय से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने की अनुमति देगा। विस्टारा के 70 विमानों के बेड़े को अपनी वर्तमान झूठ के तहत काम करना जारी रहेगा जब तक कि वे भारी रखरखाव की जांच से गुजरते नहीं हैं, जिस बिंदु पर उन्हें एयर इंडिया के नए लाईवरी में फिर से तैयार किया जाएगा।

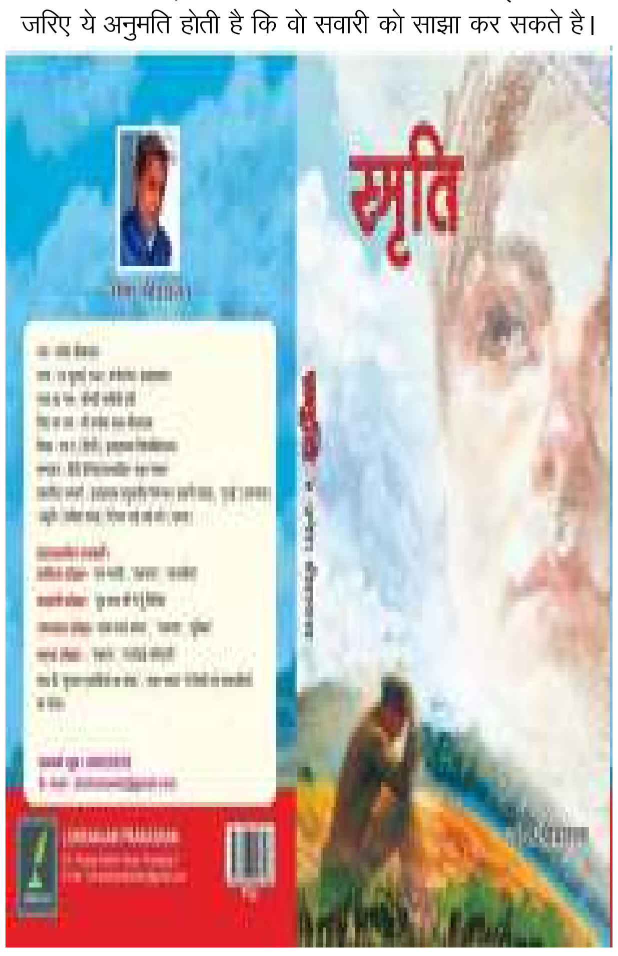

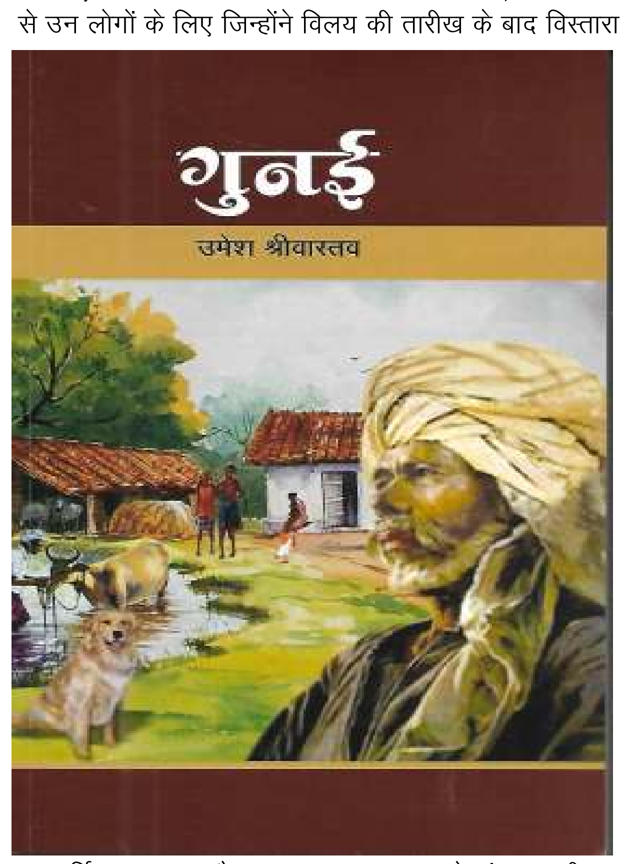

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

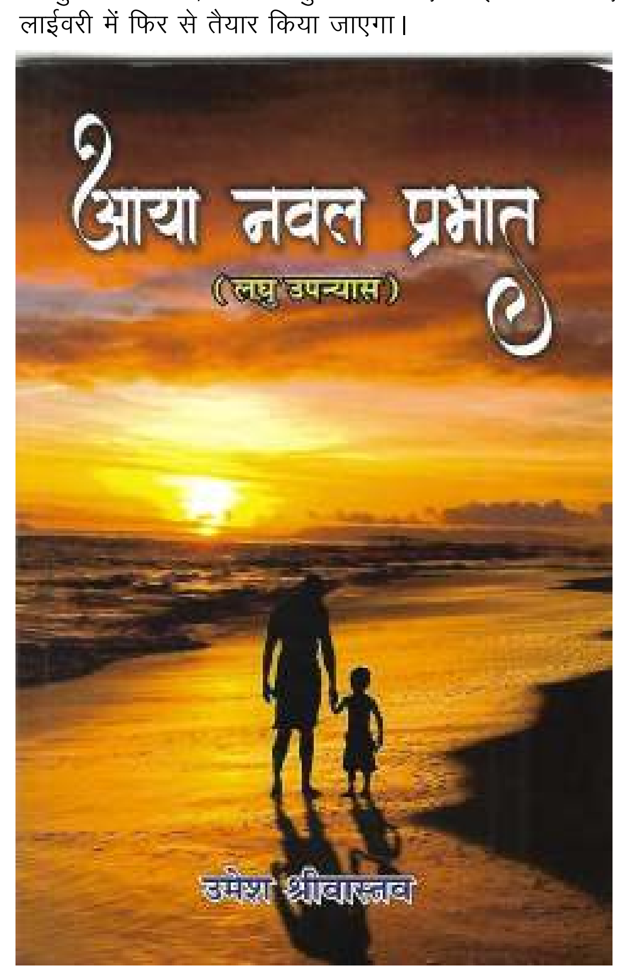

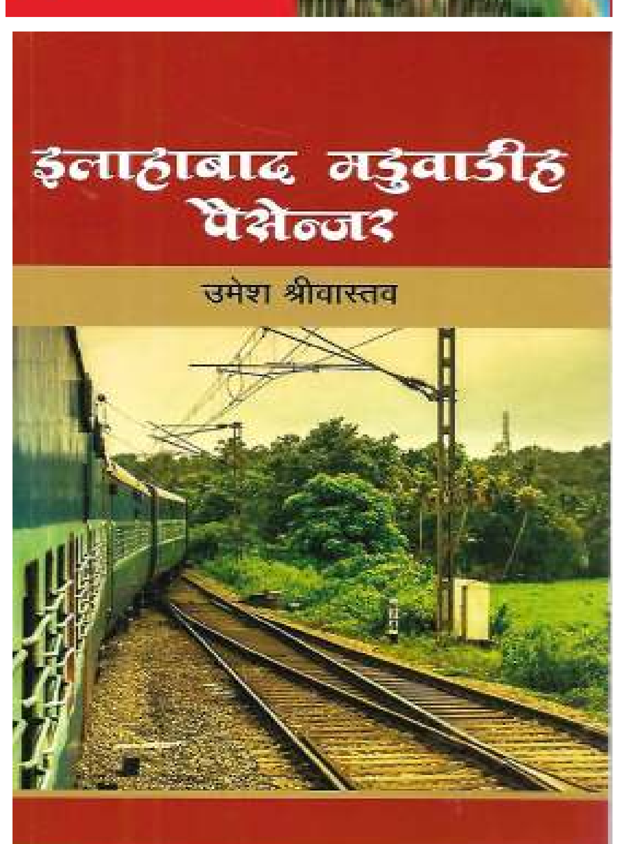

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

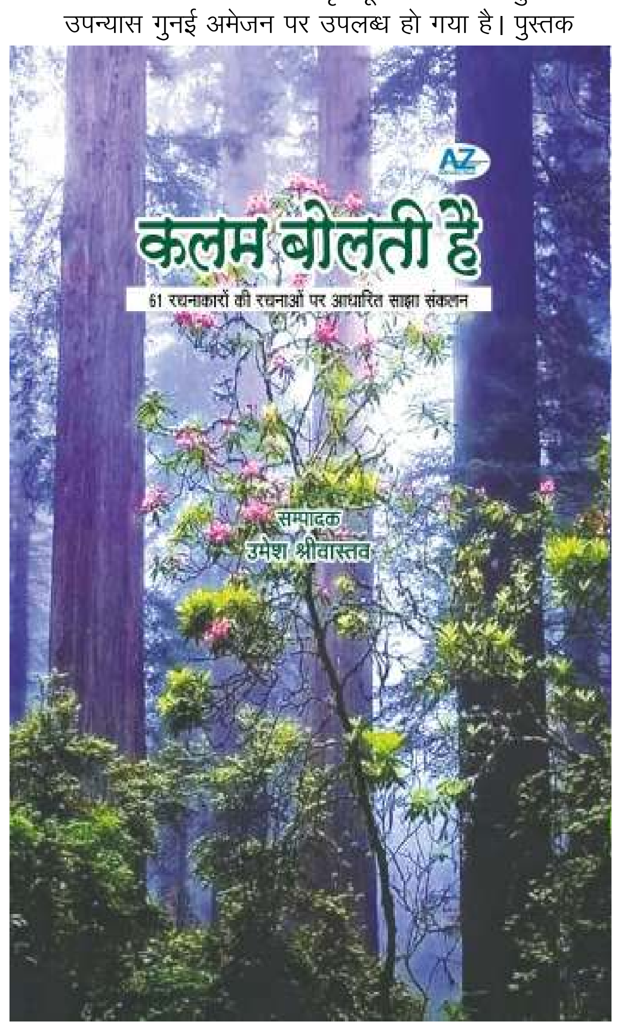

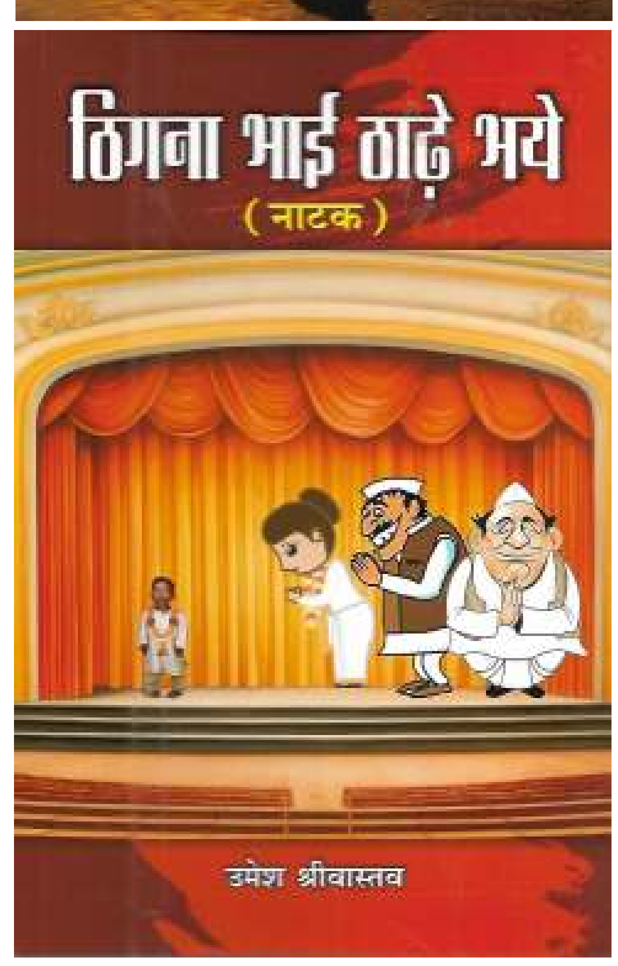

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

कुआलालंपुर में गड्ढे में गिरी भारतीय महिला, अभी तक कोई अता-पता नहीं

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक भारतीय महिला शुक्रवार को अचानक जमीन ढह जाने से बने गड्ढे में गिर गई। पुलिस ने बताया कि जमीन के नीचे बह रहे पानी में महिला के बह जाने की आशंका है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुलिज्मी अफेंडी सुलेमान ने बताया कि यह हादसा मलेशिया की राजधानी के डांग वांगी क्षेत्र में हुआ है। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि जब महिला रास्ते से गुजर रही थी तो अचानक जमीन का एक हिस्सा ढह गया जिससे 26 फुट गहरा गड्ढा हो गया और वह

उसमें गिर गई। उन्होंने बताया कि महिला भारत से मलेशिया घूमने के लिए आई थी और उसकी उम्र 48 वर्ष है। सुलेमान ने बताया कि बचावकर्मियों ने घटनास्थल के चारों ओर नाकेबंदी कर दी और गड्ढे से मलबा हटाने के लिए उत्खनन मशीन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन महिला का अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। जब सुलेमान से महिला की स्थिति या घटना के कारण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कुआलालंपुर के पुलिस प्रमुख रुस्दी मोहम्मद ईसा ने कहा कि जमीन के नीचे पानी का बहाव तेज था, इसलिए ऐसी आशंका है कि महिला बह गई होगी। उन्होंने बताया कि महिला अपने पति और कई मित्रों के साथ लगभग दो महीने पहले छुट्टियां मनाने मलेशिया आई थी और वे शनिवार को घर लौटने वाले थे।

दुनिया अगर रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो उसके सामने बड़ी चुनौतियां उत्पन्न हो जाएंगी : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत समेत दुनिया के दूसरे देश रूस से रियायती दामों पर तेल खरीदना बंद कर दें तो उसके सामने "बड़ी चुनौतियां" उत्पन्न हो जाएंगी। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद प्रतिबंध लगने के बावजूद भारत रूस से तेल खरीद रहा है, जिसकी पश्चिमी देश आलोचना करते रहे हैं। भारत यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले रूस से एक प्रतिशत से भी कम तेल आयात करता था, जो अब बढ़कर भारत के कुल तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है। भारत और रूस के बीच तेल के मामले में महत्वपूर्ण अनुबंधों की ओर इशारा करते हुए जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा, "पुतिन को अर्थव्यवस्था के बर्बाद होने का डर है, उनके पास तेल के अलावा कुछ नहीं है, उनकी मुख्य मुद्रा तेल है। उनके पास एक तरह की ऊर्जा-आधारित अर्थव्यवस्था है, और वे निर्यात-उन्मुख हैं।"

दुर्घटना में मारे गए 27 भारतीयों के शवों का हो रहा पोस्टमार्टम, विशेष विमान से लाए जाएंगे भारत

काठमांडू। नेपाल बस दुर्घटना में मारे गए 27 भारतीय तीर्थयात्रियों के शवों का नेपाल के बागमती के एक अस्पताल में पोस्टमार्टम चल रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शवों को वायुसेना के विशेष विमान से महाराष्ट्र लाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शवों का पोस्टमार्टम बागमती प्रांत के चितवन जिले के भरतपुर स्थित अस्पताल में किया जा रहा है। शुक्रवार को मुंबई में महाराष्ट्र राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि भारतीय वायु सेना का एक विमान आज शवों को नासिक लेकर आएगा।

शुक्रवार को हुआ था बस हादसा

पुलिस ने बताया कि, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से 43 यात्रियों को लेकर बस नेपाल के पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही थी, जिसमें चालक और दो सहायक शामिल थे। दोपहर के समय तनहुन जिले में मार्सयांगडी नदी के किनारे आंबू खैरेनी क्षेत्र में यह दुर्घटना हुई। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के उप प्रवक्ता शैलेंद्र थापा ने बताया कि 16 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि घायल हुए 16 लोगों को हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया और त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुर्घटना की वजह अभी तक साफ नहीं

दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। दुर्घटना स्थल काठमांडू से लगभग 90 किलोमीटर पश्चिम में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। मीडिया

रिपोर्ट के अनुसार, बस में सवार यात्री 104 भारतीय तीर्थयात्रियों के समूह का हिस्सा थे, जो दो दिन पहले नेपाल की यात्रा के लिए तीन बसों में महाराष्ट्र से नेपाल पहुंचे थे। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित मुंबई से 470 किलोमीटर दूर जलगांव जिले के वरनगांव, दरियापुर, तलवेल और भुसावल इलाके के रहने वाले थे। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे और नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखाक शनिवार को काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी एजुकेशन अस्पताल पहुंचे और वहां बस हादसे में घायल लोगों से मुलाकात की। शुक्रवार को हुए बस हादसे में 16 लोग घायल हुए थे, जिन्हें एयर लिफ्ट कर काठमांडू लाया गया था, जहां त्रिभुवन अस्पताल में ही उनका इलाज चल रहा है।

नेपाल से भारत-नेपाल सीमा के लिए शव वाहन रवाना

नेपाल बस हादसा में मारे गए कुशीनगर के बस ड्राइवर मुर्तजा और कंडक्टर रामजीत के शव पोस्टमार्टम के बाद नेपाल के चितवन से वाहन द्वारा नेपाल-भारत सीमा के लिए रवाना हो गए हैं। सभी यात्रियों को पुलिस एस्कॉर्ट और एडीएम की निगरानी में गोरखपुर लाया जा रहा है। सीमा पर सभी यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की गई है। 51 यात्रियों के महराजगंज पहुंचने पर उनके भोजन और पानी की व्यवस्था कर उन्हें गोरखपुर भेजा जाएगा। महराजगंज प्रशासन ने सीमा पर 6 शव वाहन, 11 एंबुलेंस और एक 42 सीटर की व्यवस्था की है। महाराष्ट्र के 25 यात्रियों के शव पोस्टमार्टम के बाद नेपाल से महाराष्ट्र हवाई मार्ग से लाए जाएंगे।

श्रीलंकाई नौसेना ने फिर 11 भारतीय मछुआरों को पकड़ा, इस साल समुद्री सीमा पार करने के आरोप में 333 गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने भारत के 11 मछुआरों को फिर गिरफ्तार कर लिया। नौसेना की आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, इन लोगों को मछली पकड़ने के लिए समुद्री सीमा पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ इस साल श्रीलंका अब तक 333 भारतीयों को समुद्री सीमा पार कर मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर चुका है। बताया गया है कि इन मछुआरों के ट्रॉलर को श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में जाफना के करीब पॉइंट ऑफ पेड्रो के करीब मछली पकड़ने के दौरान गिरफ्तार किया गया। जिन लोगों को पकड़ा गया, उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए कांकेसंथुराई फिशिंग हार्बर लाया गया। आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, इस साल श्रीलंका 333 भारतीयों को गिरफ्तार कर चुका है। वहीं, 45 से ज्यादा ट्रॉलर्स की जब्ती भी की गई है। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को चिट्ठी लिखकर 11 मछुआरों की गिरफ्तारी के मामले में दखल देने की मांग की है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट, दो बच्चों और एक महिला की मौत, पांच की हालत गंभीर

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के एक बाजार में शनिवार को विस्फोट हुआ। जिसमें एक महिला और दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं दो पुलिसकर्मियों सहित 13 लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन न्यूज ने पिशिन चिकित्सा अधीक्षक की ओर से जारी सूची का हवाला देते हुए बताया कि विस्फोट पिशिन जिले के मुख्य बाजार में सुरखब चौक के करीब हुआ। दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। घायलों को क्वेटा के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां एक महिला की मौत हो गई। इनमें से पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में पुलिस अधिकारियों और जांच चौकियों पर हमलों की कड़ी में ताजा हमला है।

चीन में आसमान से बरसी आफत, भारी बारिश-भूस्खलन से 11 की मौत, 14 लापता

बीजिंग। चीन के लियाओनिंग प्रांत में हुई मूसलाधार बारिश से भारी तबाही हुई है। इस तबाही ने 11 लोगों की जान ले ली है और 14 अन्य अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। भारी बारिश की वजह से आधारभूत ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लियाओनिंग प्रांत के हुलुदाओ इलाके में भारी बारिश के चलते सड़कें, पुल, कम्युनिकेशन नेटवर्क और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। एक अनुमान के मुताबिक करीब 1.44 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

11 लोगों की गई जान

इस तबाही में जियानचांग काउंटी और सुइझोंग काउंटी को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ा है। बारिश के चलते हुए भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं में 11 लोगों की जान गई है और 14 अन्य लापता हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही प्रभावित इलाकों में ऊर्जा ढांचे और संचार ढांचे को बहाल करने की कोशिश की जा रही है। बारिश की वजह से 9 राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रांतीय सड़कें तबाह हुई हैं। वहीं 210 सड़कें ग्रामीण इलाकों में तबाह हुई हैं।

राहत और बचाव कार्य जारी

चीन के नेशनल कमीशन फॉर डिजास्टर प्रिवेंशन, रिडक्शन एंड रिलीफ ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। हाल के दिनों में लियाओनिंग प्रांत में भारी बारिश से काफी परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए चीन की सरकार ने आपदा प्रभावित इलाकों में संचार के लिए सैटेलाइट और ड्रोन्स तैनात कर दिए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों के लिए करीब 700 लोगों और विशेषज्ञों को भेजा गया है। चीन में इन दिनों भारी बारिश का दौर चल रहा है।

सुनिश्चित करूंगी कि 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा में चीन नहीं, अमेरिका की जीत हो : कमला हैरिस

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि अगर वह अमेरिका की राष्ट्रपति चुनी जाती हैं, तो वह सुनिश्चित करेंगी कि ''21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा'' में चीन नहीं, बल्कि अमेरिका की जीत हो और दुनिया का नेतृत्व करने की उसकी भूमिका मजबूत हो। हैरिस ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी बृहस्पतिवार रात औपचारिक रूप से स्वीकार कर ली। चुनाव में हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर है। भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैरिस ने शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान उम्मीदवारी स्वीकार की और इसी के साथ वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की दूसरी महिला नेता बन गईं। हैरिस (59) अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए किसी प्रमुख दल की उम्मीदवार बनने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी और पहली अश्वेत महिला हैं। शिकागो के 'यूनाइटेड सेंटर' में उम्मीदवारी स्वीकार करने के लिए मंच पर आईं हैरिस ने कहा कि वह ''अवसर आधारित ऐसी अर्थव्यवस्था'' बनाएंगी, जहां हर किसी को प्रतिस्पर्धा करने और सफल होने का मौका मिलेगा। हैरिस (59) ने कहा, ''मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि हम अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करें तथा 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा में चीन नहीं, बल्कि अमेरिका की जीत हो और हम दुनिया का नेतृत्व करने वाले देश के तौर पर अपनी भूमिका को छोड़ने के बजाय उसे मजबूत करें।'' उन्होंने कहा, ''चाहे आप ग्रामीण क्षेत्र में रहते हों, छोटे शहर में या बड़े शहर में... राष्ट्रपति के रूप में, मैं श्रमिकों एवं कर्मचारियों, छोटे व्यवसाय के मालिकों एवं उद्यमियों और अमेरिकी कंपनियों को एक साथ लाऊंगी, ताकि नौकरियां पैदा की जा सकें।

शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, ढाका के प्राचीन मंदिर को बचाने के लिए साथ आए हिंदू-मुस्लिम

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अराजकता का माहौल था। कट्टरपंथियों द्वारा अल्पसंख्यक हिंदुओं और अन्य समुदायों को निशाना बनाया गया। हिंदू समुदाय ढाका में स्थित प्राचीन ढाकेश्वरी मंदिर की सुरक्षा के लिए भी चिंतित था, लेकिन इस मंदिर की सुरक्षा के लिए हिंदू-मुस्लिम साथ आए। मंदिर के एक पुजारी ने यह जानकारी दी है। ढाका का ढाकेश्वरी मंदिर शक्ति पीठों में से एक है और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू समुदाय के प्रमुख मंदिरों में से एक है। मंदिर के एक पुजारी ने बांग्लादेश में हिंसा के दौर में जारी हालातों पर बात की। पुजारी असीम मैत्रो ने बताया कि विभिन्न धर्मों के लोग यहां प्रार्थन करने आते हैं। मां सभी इंसानों की मां हैं फिर चाहे वो हिंदू हो, मुस्लिम, ईसाई या बौद्ध। लोग यहां शांति, समृद्धि का आशीर्वाद लेने आते हैं। मैत्रो ने बताया कि वह बीते 15 वर्षों से इस मंदिर में पुजारी हैं। यह मंदिर सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है। मंदिर के आसपास कई मस्जिदें हैं। मस्जिदों में मगरीब की नमाज के आधे घंटे बाद यानी करीब सात बजे ढाकेश्वरी मंदिर में आरती होती है।

हिंदू मुस्लिम समुदाय ने साथ मिलकर की थी मंदिर की सुरक्षा

पुजारी ने बताया कि जब 5 अगस्त को हिंसा हो रही थी और शेख हसीना इस्तीफा देकर निकल गईं थी तो उस वक्त वह मंदिर परिसर में ही मौजूद थे। उन्होंने बताया कि उन्हें उस वक्त अपनी चिंता नहीं थी, लेकिन इस प्राचीन मंदिर और यहां के देवी-देवताओं की मूर्तियों की चिंता थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने हमारी मदद की। मुस्लिम, हिंदू और अन्य धर्मों के लोग मंदिर की सुरक्षा के लिए साथ आए ताकि कोई भी मंदिर को नुकसान न पहुंचा सकें। मंदिर में कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी है। मंदिर में लगातार पूजा हो रही है और सामान्य दिनों की तरह मां को भोग भी लगाया जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।